पटना ● गुरुवार, 15 अगस्त 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक: 215 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

विकास परियोजनाओं के लिए किए... 3 www. bordernewsmirror.com कीर्ति सुरेश की रघु ताथा... 8

आईएमएफ की मुहर, सच होगी पीएम मोदी की भविष्यवाणी

2029 तक दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बन जाएगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में कहा था कि उनके तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बन जाएगा। मोदी का यह कार्यकाल 2029 तक चलेगा। आईएमएफ के मुताबिक 2029 तक भारत दुनिया की तीसरी बड़ी इकॉनमी बन जाएगा। भारत अभी पांचवें नंबर पर है। उससे आगे अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान हैं लेकिन 2029 तक भारत यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी और जापान को पछाड़कर तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगा। तब भारत की जीडीपी का साइज 6.44 ट्रिलियन डॉलर होगा। जर्मनी 5.36 ट्रिलियन डॉलर के साथ चौथे पर खिसक जाएगा जबकि जापान 4.94 ट्रिलियन डॉलर के

साथ पांचवें नंबर पर होगा। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही इकॉनमी है। आईएमएफ के मुताबिक 2029 में अमेरिका 34.95 ट्रिलियन डॉलर के साथ सबसे बड़ी इकॉनमी बनी रहेगी। इसी तरह चीन 24.84 ट्रिलियन डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर बना रहेगा। हालांकि भारत के अगले एक-दो साल में ही तीसरे नंबर पर पहुंचने की उम्मीद है। इसका कारण यह है कि जर्मनी और जापान की इकॉनमी संघर्ष कर रही हैं। जर्मनी की इकॉनमी में दूसरी तिमाही में अप्रत्याशित गिरावट देखने को मिली। तकनीकी रूप से लगातार दो तिमाहियों में गिरावट को मंदी कहा जाता है। जापान का सेंट्रल बैंक भी खपत बढ़ाने के लिए ब्याज दर बढ़ाने में लगा है।

अब पाकिस्तान को नहीं बचा पाएंगे चीनी ड्रोन

- भारत अमेरिका से खरीद रहा है 'हंटर किलर', हो गया सौदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन और पाकिस्तान दोनों ही अपने सशस्त्र ड्रोन के बेड़े को मजबूत कर रहे हैं। ऐसे ही समय पर भारत अमेरिका से 31 हथियारबंद एमक्यू-9बी हंटर-किलर रिमोट से संचालित विमानों के अधिग्रहण के लिए बातचीत को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। इस साल नवंबर-दिसंबर तक इस मेगा डील को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक इनमें से सबसे अधिक 15 ड्रोन नौसेना को मिलने वाले हैं। इसके बाद सेना और

वायुसेना के 8-8 मिलेंगे। एक राष्ट्रीय अंग्रेजी अखबार ने अपनी एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है। आपको बता दें कि यह डील ऐसे समय में होने जा रही है जब चीन ने पाकिस्तान को अपने सशस्त्र कैहोंग-4 और विंग लूंग-सेकेंड ड्रोन की आपूर्ति बढ़ा दी है। एक सूत्र ने कहा, पाकिस्तान ने चीन से 16 और सशस्त्र सीएच-4 ड्रोन मांगे हैं। उसके पास पहले से ही सेना में सात और नौसेना में तीन सीएच-4 ड्रोन हैं। एमक्यू-9बी रीपर या प्रीडेटर-बी ड्रोन को 40,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर उड़ान भरने के लिए डिजाइन किया गया है।

केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से फिर लगा तगड़ा झटका

नहीं मिली अंतरिम जमानत, कोर्ट बोला-सीबीआई को नोटिस जारी कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को शराब नीति केस से जुड़े सीबीआई केस में केजरीवाल की 2 याचिकाओं पर सुनवाई हुई। पहली याचिका- सीबीआई मामले में अंतरिम जमानत को लेकर थी। कोर्ट ने जमानत देने पर इनकार कर दिया। दूसरी याचिका- सीबीआई की गिरफ्तारी के खिलाफ थी। जिस पर कोर्ट ने जांच एजेंसी को नोटिस जारी करके 23 अगस्त तक जवाब मांगा है। मामले पर अगली सुनवाई 23 अगस्त को होगी। केजरीवाल फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट ने 5 अगस्त को अरविंद केजरीवाल की सीबीआई की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी। साथ ही जमानत याचिका के लिए निचली अदालत जाने को कहा था। शराब नीति केस में केजरीवाल के खिलाफ ईडी और सीबीआई का केस चल रहा है। ईडी मामले में उन्हें पहले ही जमानत मिल चुकी है। वहीं सीबीआई केस में वह जेल में बंद हैं।

'विकसित भारत' की थीम के साथ आज मनेगा 78वां स्वतंत्रता दिवस

लगातार 11वीं बार पीएम मोदी लालकिले की प्राचीर पर फहराएंगे तिरंगा

पंचायत प्रतिनिधि से लेकर लखपति दीदी तक 400 महिलाएं बढ़ाएंगी शान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत कल 15 अगस्त को अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है, इसे लेकर पूरे देश में तैयारियां शुरू पूरी कर ली गई हैं। हर घर तिरंगा यात्रा शुरू कर दी गई है, जगह-जगह हाथ में ध्वज लेकर लोग सड़कों पर निकल चुके हैं। तस्वीरें आ रही हैं जहां पर सबसे लंबी कतारें बनाने का रिकॉर्ड बनाने की होड़ लगी हुई है। हर कोई बस तिरंगे की शान में यात्रा निकाल रहा है। केंद्र सरकार के तमाम बड़े मंत्री और खुद पीएम मोदी ने भी एक्स प्लेटफॉर्म पर अपनी डीपी चेंज कर ली है, सभी ने तिरंगा लगा इस आंदोलन को आगे बढ़ाने की कवायद की है। इस साल स्वतंत्रता दिवस 2024 की ऑफिशियल थीम 'विकसित भारत' है। यह थीम 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के सरकार के दृष्टिकोण का प्रतीक है। यह थीम बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में ध्यान केंद्रित करती है। करीब 200 साल से ज्यादा ब्रिटिश शासन के बाद 15 अगस्त को देश स्वतंत्र हुआ। ब्रिटिश संसद ने 30 जून, 1948 तक तत्कालीन वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन को भारत को सत्ता हस्तांतरित करने का आदेश दिया था। लाल किले पर आयोजित होने वाले 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में देशभर से 400 महिला पंचायत प्रतिनिधियों को विशेष अतिथि के रूप में बुलाया गया है। पंचायती राज मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। बयान में कहा गया है कि पंचायती राज संस्थाओं की लगभग 400 महिला प्रतिनिधियों को समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम गौरव का पहला सफल फ्लाइट टेस्ट

- 1000 किलोग्राम वजन, 100 किमी रेंज, सुखोई जेट से लॉन्च किया

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भारत ने मंगलवार को ओडिशा के तट से लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम का पहला सफल परीक्षण किया। इस बम को वायुसेना के सुखोई एमके-1 फाइटर जेट से लॉन्च किया गया था। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि फ्लाइट टेस्ट के दौरान ग्लाइड बम ने लॉन्ग व्हीलर आईलैंड पर बनाए गए टारगेट को सटीक

हिट किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि गौरव हवा में लॉन्च किया जाने वाला 1000 किलोग्राम का ग्लाइड बम है, जो लंबी दूरी के टारगेट को हिट करने में सक्षम है। लॉन्चिंग के बाद यह ग्लाइड बम बेहद सटीक हाइब्रिड नैविगेशन स्कीम की मदद से टारगेट की तरफ बढ़ता है। टेस्ट लॉन्च का पूरा फ्लाइट डेटा टेलिमेट्री एंड इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम ने कैप्चर किया।

जम्मू से निकले दो संदिग्ध, विस्फोटक भी साथ!

स्वतंत्रता दिवस से पहले हाई अलर्ट पर दिल्ली और पंजाब

श्रीनगर (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर दिल्ली में हाई अलर्ट जारी किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक खुफिया एजेंसियों को इनपुट मिला है कि जम्मू में सक्रिय आतंकी दिल्ली या उसके आसपास के इलाकों में आत्मघाती हमला करने की फिराक में हैं। दिल्ली के अलावा पंजाब में भी सुरक्षा बलों को अलर्ट पर रखा गया है। उग्रवादियों के बीच हुई बातचीत के आधार पर खुफिया एजेंसियों ने इनपुट जताया है। एजेंसियों का कहना है कि जरूरी नहीं कि यह हमला स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ही हो। ऐसा इसलिए क्योंकि उस दिन भारी सुरक्षा दस्ता हर जगह तैनात रहता है, लेकिन एक या दो दिन बाद आतंकी हरकत कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर के कठुआ में देखे गए

दो संदिग्धों के दिल्ली की ओर मूवमेंट करने की आशंका है। इन लोगों के पास हथियार भी मौजूद हैं। आशंका है कि ये लोग पठानकोट की तरफ गए हैं और वहां से दिल्ली की ओर भी निकल सकते हैं। यही नहीं सुरक्षा बलों और एजेंसियों को आशंका है कि ये आतंकी अमरनाथ यात्रा को भी निशाने पर ले सकते हैं। इसके अलावा दिल्ली में अहम प्रतिष्ठित संस्थानों को भी टारगेट किया जा सकता है। बीते कई सालों से आतंकियों पर लगाम कसने में सुरक्षा बलों और एजेंसियों को सफलता मिली है। अलर्ट में कहा गया है कि भारी भीड़ वाले इलाकों को आतंकी निशाना बना सकते हैं। दरअसल यह अलर्ट ऐसे समय में जारी किया गया है, जब कश्मीर के मुकाबले शांत कहे जाने वाले जम्मू संभाग में आतंकियों की हरकतें बढ़ी हैं। कठुआ, डोडा, उधमपुर और राजौरी जैसे जिलों में आतंकी हमले बढ़े हैं। अब यह आशंका भी है कि ये आतंकी पंजाब और दिल्ली की ओर बढ़ सकते हैं।

महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ फिर होगा खेला!

- देर रात सीएम एकनाथ शिंदे से मिले दो विधायक

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में कम ही वक्त बचा है। अक्टूबर या नवंबर में इलेक्शन होने हैं और उससे पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। पार्टी के दो विधायकों ने मंगलवार देर रात सीएम एकनाथ शिंदे से मुलाकात की है। इसके बाद से कयास तेज हैं और कहा जा रहा है कि दोनों पार्टी भी बदल सकते हैं। इन विधायकों के नाम हैं- हीरामन खोसकर और जितेश अंतापुरकर। दोनों सीएम के

आवास वर्षा बंगले पहुंचे। दोनों ने देर रात मुख्यमंत्री से मुलाकात की। एक महीने पहले हुए विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस के वोट बंट गए थे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों पर कार्रवाई की गई है। इसलिए पार्टी ने संकेत दिया है कि उन विधायकों को अगले चुनाव में टिकट नहीं मिलेगा। ऐसे में माना जा रहा है कि ये नेता टिकट कटने के डर से शिंदे सेना में ही एंट्री कर सकते हैं। जितेश अंतापुरकर नांदेड़ की डेगलूर सीट से विधायक हैं, जबकि हिरामन खोसकर नासिक के इगतपुरी से चुने गए हैं।

अतीक के बेटे का एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मी होंगे सम्मानित

15 अगस्त को 17 पुलिसवालों को मिलेगा राष्ट्रपति पदक, 5 लाख का ईनामी था असद

प्रयागराज (एजेंसी)। माफिया अतीक अहमद के बेटे असद और शूटर मोहम्मद गुलाम का एनकाउंटर करने वाले 17 पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति पदक मिलेगा। 15 अगस्त को दिल्ली में सभी को सम्मानित किया जाएगा। उमेश पाल हत्याकांड के बाद असद और गुलाम फरार हो गए थे। दोनों पर 5-5 लाख रुपए का इनाम था। 13 अप्रैल, 2023 को झांसी में असद और मोहम्मद गुलाम का एनकाउंटर किया गया। इस ऑपरेशन में एसटीएफ के 6 और पुलिस के 11 जवान शामिल थे। इसे यूपी एसटीएफ के डिप्टी एसपी नवेंदु और विमल ने लीड किया था। 24 फरवरी 2023 को प्रयागराज में राजूपाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल की हत्या कर दी गई। हत्याकांड को बीच बाजार अंजाम दिया गया। उमेश पाल जब अपने घर जा रहे थे, तभी गली के बाहर कार से निकलते वक्त उन पर फायरिंग हुई। इस दौरान बम भी फेंके गए। उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर की मौके पर ही मौत हो गई। मामले का सीसीटीवी सामने आया। इसके बाद असद और गुलाम की संलिप्तता पाई गई। चिरगांव में असद और गुलाम की लोकेशन मिली थी इसके बाद यूपी पुलिस और एसटीएफ की टीम लगातार गिरफ्तारी के लिए दबिश देने लगी। दोनों पर 5-5 लाख रुपए के इनाम की घोषणा की गई। 48 दिन बाद सोर्स ने असद और गुलाम की पहली लोकेशन झांसी के चिरगांव के पास होने की जानकारी दी।

जहां मिला ट्रेनी डॉक्टर का शव वहां होने लगा रेनोवेशन

- भाजपा ने लगाया बड़ा आरोप, सबूत मिटा रही ममता सरकार

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में डॉक्टर के बलात्कार और हत्या मामले में एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। वामपंथी समूहों और भारतीय जनता पार्टी ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के अधिकारियों पर घटना से संबंधित सबूतों से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। सीपीआई (एम) से जुड़े डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) और स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने बताया कि सेमिनार रूम के पास मरम्मत का काम शुरू हो गया है। आपको बता दें कि यहीं पर कुछ दिन पहले डॉक्टर का शव मिला था। वे अस्पताल के आपातकालीन भवन के गेट पर विरोध प्रदर्शन करने के लिए एकत्र हुए और आरोप लगाया कि अधिकारी सबूतों को नष्ट करने और असली दोषियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

अमेरिका ने अरुण योगीराज को वीजा देने से किया इनकार

अयोध्या में राम मंदिर के लिए बनाई थी रामलला की मूर्ति

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर के लिए रामलला की मूर्ति बनाने वाले प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज को अमेरिका ने वीजा देने से इनकार कर दिया है। इसके लिए अमेरिका ने कोई ठोस वजह भी नहीं बताई है। योगीराज को 12वीं अक्का वर्ल्ड कन्नड़ कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए अमेरिका जाना था। यह कॉन्फ्रेंस 30 अगस्त से एक सितंबर के बीच वर्जीनिया के रिचमंड कन्वेंशन सेंटर में होनी थी। अरुण योगीराज के परिवार ने वीजा नहीं दिए जाने को लेकर निराशा जताई है। पारिवारिक सूत्रों का कहना है कि अरुण की पत्नी विजेता पहले भी अमेरिका जा चुकी हैं और ऐसे में अरुण को वीजा देने से इनकार करना काफी अप्रत्याशित है। मूर्तिकार अरुण ने अमेरिका के लिए सभी तैयारियां भी पूरी कर ली

थीं। अरुण योगीराज ने भी अमेरिका द्वारा वीजा देने से इनकार किए जाने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मुझे कोई वजह नहीं मालूम, लेकिन हमने वीजा संबंधित सभी डॉक्यूमेंट्स को जमा कर दिया था। बता दें कि अक्का वर्ल्ड कन्नड़ कॉन्फ्रेंस को सालभर में दो बार आयोजित किया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अमेरिका समेत दुनिया के अन्य हिस्सों में रहने वाले समुदाय के सदस्यों को एक जगह लाना है। इस साल की शुरुआत में अयोध्या में बन रहे राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

विकास परियोजनाओं के लिए किए गए भू-अर्जन से संबंधित रैयतों का भुगतान शीघ्र सुनिश्चित कराई जाए: जिलाधिकारी

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा पूर्वी चंपारण समाहरणालय स्थित एनआईसी में बुधवार को पदाधिकारियों के साथ बैठक कर विकास परियोजनाओं के लिए किए गए भू-अर्जन से संबंधित रैयतों का भुगतान शीघ्र सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। इसी क्रम में रक्सौल हवाई अड्डा के लिए अधिग्रहित भूमि के बारे में अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल के द्वारा बताया गया कि अधिग्रहित की जाने वाली जमीन की मापी करा ली गई है। इस पर जिलाधिकारी के द्वारा अंचलाधिकारी रक्सौल को जमीन का ऑनलाइन दाखिल-खारिज करते हुए अग्रेत्तर कार्रवाई के लिए जिला भू अर्जन कार्यालय को भेजने का निर्देश दिया गया। वहीं हाजीपुर-सुगौली रेल खंड के विषय में जिला भू अर्जन पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि इस रेल खंड के लिए जमीन का भू अर्जन कार्य पूर्ण है। इस रेल खंड में जिला के कल्याणपुर, केसरिया,संग्रामपुर,कोटवा, पहाड़पुर,हरसिद्धि और सुगौली अंचल आते हैं। इसमें कई जगह रैयतों का भुगतान अभी लंबित है। इस पर डीएम के द्वारा सहायक कार्यपालक अभियंता पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर एवं कार्यकारी एजेंसी के प्रोजेक्ट इंजीनियर के साथ गहन समीक्षा की गई और संबंधित अंचलाधिकारियों से प्रभावित रैयतों के एलपीसी के संबंध में पूछताछ की गई। जिलाधिकारी के द्वारा अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा को सप्ताह में एक दिन प्रत्येक बुधवार को संबंधित अंचलाधिकारियों से इस मामले में प्रगति की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। इस संबंध में सदर अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी चकिया और अरेराज को प्रतिदिन समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि इस पर अगली बैठक इसी माह 29 अगस्त को बुलाई जाए और उस समय तक अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर संबंधित पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उपस्थित जिला भू अर्जन पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि जो भी एलसी प्राप्त हो रहा है उसके विरुद्ध भुगतान की कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित कराई जाए। जिला भू अर्जन पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि भारतमाला परियोजना (चोरमा-बैरगनिया)के लिए जिला के पकड़ीदयाल, ढाका एवं चिरैया अंचल अंतर्गत कुल 27 मौजों में भूमि अधिग्रहण का कार्य किया जा रहा है। मौजा पिपरावाजिद एवं ढाका को छोड़कर सभी मौजों में संबंधित रैयतों को मुआवजा प्राप्त करने के लिए नोटिस जारी किया जा चुका है। इस संबंध में सभी संबंधित अंचल अधिकारियों को रैयतों का एलपीसी एवं अन्य कागजात जिला भू अर्जन कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।जिलाधिकारी के द्वारा संबंधित अंचलों में अंचलाधिकारी के नेतृत्व में स्थल चयन कर कैंप लगाने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी संबंधित अंचल अधिकारी अपने अंचल से संबद्ध मौजों में लगाए जाने वाले शिविर का व्यापक प्रचार प्रसार करेंगे ताकि निर्धारित तिथि को अधिक से अधिक रैयत कैंप में आ सकें। जिलाधिकारी के द्वारा अंचल अधिकारियों को स्वयं कैंप में उपस्थित रहकर एलपीसी एवं अन्य कागजात तैयार कराना सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। इस बैठक में जिलाधिकारी के साथ अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, डीसीएलआर सदर, सभी संबंधित अंचल अधिकारी, सहायक कार्यपालक अभियंता पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर, कार्यकारी एजेंसी के प्रोजेक्ट अभियंता उपस्थित थे जबकि अन्य अनुमंडल पदाधिकारी एवं डीसीएलआर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे।

जिला प्रभारी मंत्री आज सुबह 9:00 बजे गांधी मैदान में करेंगे झंडोत्तोलन

बीएनएम। मोतिहारी

15 अगस्त 2024, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहर स्थित गांधी मैदान में सुनील कुमार, मंत्री शिक्षा विभाग, बिहार सरकार सह जिला प्रभारी मंत्री, पूर्वी चंपारण के द्वारा आज सुबह के 9:00 बजे झंडोत्तोलन किया जाएगा। इसकी सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। नगर के समाहरणालय परिसर में जिलाधिकारी के द्वारा 9:45 पूर्वाहन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। सदर अनुमंडल कार्यालय में 9:55 बजे पूर्वाह्न, जिला परिषद कार्यालय में 10:05 बजे पूर्वाह्न, गांधी संग्रहालय में 10:15 बजे तथा पुलिस केंद्र मोतिहारी में 10:35 बजे पूर्वाह्न में झंडोत्तोलन किया जाएगा। पूर्व के वर्षों की तरह इस बार भी महादलित टोले में टोला के बुजुर्ग व्यक्ति के द्वारा प्रशासनिक पदाधिकारी की उपस्थिति में झंडोत्तोलन कराया जाएगा। इसकी भी तैयारी पूरी कर ली गई है और इसके लिए पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। मोतिहारी नगर क्षेत्र स्थित महापुरुषों के प्रतिमा पर भी पदाधिकारियों के द्वारा झंडोत्तोलन किया जाएगा। इसके लिए भी पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। स्वतंत्रता दिवस समारोह 2024 के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था एवं विधि व्यवस्था संधारण हेतु गांधी मैदान के आसपास, गांधी बाल उद्यान, कचहरी चौक, सदर अस्पताल, नगर थाना चौक, गांधी संग्रहालय सहित कुल 23 चिन्हित स्थलों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल्कि प्रतिनियुक्ति की गई है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में संध्या 5:00 बजे से स्कूली बच्चों की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति कराई जाएगी। सांस्कृतिक प्रस्तुति की सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। बुधवार को जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा गांधी मैदान में झंडोत्तोलन का फुल ड्रेस परेड पूर्वाभ्यास का अवलोकन किया गया एवं उपस्थित पदाधिकारियों को जरूरी निर्देश दिया गया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, अपर समाहर्ता लोक शिकायत निवारण शैलेंद्र भारती, अपर समाहर्ता आपदा राजेश्वरी पांडे, अनुमंडल पदाधिकारी श्रेष्ठ अनुपम, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शेखर चौधरी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा, प्रभारी पदाधिकारी जिला नजारत शाखा, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल मोतिहारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

उद्योगपति यमुना सीकरीया ने निकाला तिरंगा यात्रा

बीएनएम। मोतिहारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत शिक्षाविद, प्रसिद्ध उद्योगपति व समाजसेवी यमुना कुमार सिकरिया के द्वारा बुधवार को तिरंगा यात्रा निकाला गया एवं शहर के राधा नगर स्थित अपने उद्योग परिसर में तिरंगा लहराया गया। श्री सीकरिया ने अपने सभी कर्मचारियों को एक-एक तिरंगा उपलब्ध कराया। कहा कि इससे वे अपने घर पर तिरंगा लगाऐ और उसकी एक फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड करें। वहीं श्री सिकरिया ने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा उद्योग को बढ़ाने के लिए कई नीतियां लाई जा रही है, जो की सफल भी हो रही है। इन्होंने मोदी सरकार से आग्रह किया कि सरकार आने वाले विधानसभा के चुनाव में पुराने उद्योगपतियों को हर राज्य से कुछ टिकट दे। ताकि वह चुनाव जीतकर जब विधानसभा में जाएं तो उद्योग के लिए अच्छी नीति बना सके। इनका अनुभव काम आए भाजपा सरकार सदैव नए प्रयोग करती है और जो सफल भी होते हैं। सरकार इस प्रयोग को भी करके देखें। हमारा भारत उद्योग भारत के रूप में विश्व में पहचान बनाएग और भारत सोने का शेर कहलाए।

एलपीजी पाइपलाइन में जेसीबी से तोड़ फोड़ का प्रयास, एफआईआर दर्ज

बीएनएम। तुरकौलिया

मुजफ्फरपुर मोतीहारी एलपीजी पाइपलाइन में बालगंगा के समीप रात में जेसीबी से पहुंचे कुछ लोगो ने तोड़ फोड़ करने का प्रयास किया है। जहां लक्ष्मीपुर के ग्रामीणों के सूचना पर इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के अधिकारियों के सजगता से बड़ी दुर्घटना होने से बच गई है। मामले में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड पूर्वी क्षेत्र मोतीहारी के प्रचालन प्रबंधक प्रिय व्रत कुमार राय ने रघुनाथपुर थाना में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराया है। जिसमे कहा है कि रात में बालगंगा के योगी सिंह के पुत्र बलिराम सिंह अपने साथ जेसीबी लेकर मुजफ्फरपुर से मोतीहारी बैटलिंग प्लांट से एलपीजी गैस की आपूर्ति की जाने वाली जगह में बालगंगा के समीप तोड़ फोड़ करने लगे। जिसकी सूचना ग्रामीणों से मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। साथ ही प्रहरी की ड्यूटी कर रहे लोगो ने विरोध किया। उस समय वे अपने अन्य साथियों के साथ गाली गलौज कर मारपीट पर उतारू हो गए। बाद में वे वहा से जेसीबी लेकर भाग गए। लेकिन उनके दो गुर्गे की बाइक छूट गई। जिसका नंबर अंकित है। उसे सुबह में गुर्गे जबरन उठा कर ले भागे। उन्होंने कहा है कि 112 नंबर की पुलिस को बार बार सूचना देने के बाद भी नही पहुंची। उन्होंने एफआईआर में कहा है कि बड़ी विस्फोटक घटना हो सकती थी। अपर थानाध्यक्ष अशोक कुमार शाही ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

मुजफ्फरपुर से अयोध्या तक 'श्री राम लला' मुफ्त दर्शन यात्रा का शुभारंभ

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

जिले के नगर विधानसभा के मैदापुर चौबे ग्राम से रविवार को 'श्री राम लला प्रभु' मुफ्त दर्शन यात्रा की शुरुआत हुई। सावन पांडेय के नेतृत्व में, यह दो दिवसीय यात्रा धूमधाम से शुरू हुई, जिसमें 251 श्रद्धालु अयोध्या के लिए रवाना हुए।

सावन पांडेय के निजी खर्च पर आयोजित इस यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सरयू नदी में स्नान, श्री राम लला प्रभु के दर्शन, और हनुमान गढ़ी में हनुमान जी के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए भोजन की मुफ्त व्यवस्था भी सावन पांडेय द्वारा की गई है। यात्रा का शुभारंभ श्री सीताराम के जयकारों के साथ हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति और उल्लास के साथ भाग लिया। यात्रा के दौरान सभी भक्तों की सुरक्षा और सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा गया है।

विभाजन की पीड़ा एक ऐसी त्रासदी है जिसे भुलाया नहीं जा सकता: गोपाल प्रसाद

बीएनएम। मोतिहारी

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर मंगलवार व बुधवार को दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन शहर के भवानीपुर जिरात स्थित सेन्ट आरसेटी (ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान) मोतिहारी में किया गया है। उक्त फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) गोपाल प्रसाद ने किया। उक्त मौके पर एलडीएम गोपाल प्रसाद ने कहा कि भारत के विभाजन की पीड़ा एक ऐसी त्रासदी है जिसे भुलाया नहीं जा सकता है। यह दिन भारत के लोगों के संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है। प्रत्येक भारतीय को इस दिन को याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम भारतीयों को इस दिन को याद रखने की जरुरत है, क्योंकि हमारी लाखों बहनों और भाइयों को इस विभाजन ने विस्थापित कर दिया था और अनेक लोगों ने बेवजह नफरत के कारण अपनी जान गवां दी थी। उन्होंने कहा कि विभाजन के दौरान यातनापूर्ण व्यवहार और हिंसा का सामना करना पड़ा था। आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। विभाजन का दर्द और उस दौरान हुई हिंसा देश की स्मृति में गहराई से अंकित है। श्री प्रसाद ने कहा कि विभाजन और इसके कारण तुष्टिकरण की राजनीति, विभाजनकारी ताकतों के विचारों को हावी होने देना और लोगों को नुकसान पहुंचाने वाली सोच के खिलाफ होना चाहिए। कहा कि 14 अगस्त 2021 को विभाजन विभीषिका दिवस मनाये जाने की घोषणा हुई थी तब से कार्यक्रम का आयोजन होता रहा है। इसमें तस्वीर के माध्यम से उस दौर की घटना को फोटो के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। वहीं एलडीएम कार्यालय से पुष्पेन्द्र सिंह ने कहा कि विभाजन की विभीषिका दर्दनाक है। उन्होंने कहा कि हमें इतिहास को याद रखने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि इस फोटो प्रदर्शनी ने इतिहास को दिखाने की सार्थक कोशिश की है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी का मक़सद है आम लोग विभाजन के इतिहास को जाने। मौके पर सेन्ट आरसेटी के सभी स्टाफ उपस्थित रहे।

लूट की योजना बना रहे चार अपराधी हथियार के साथ गिरफ्तार

बीएनएम। केसरिया

पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जहाँ केसरिया मेलागाछी स्थित मलंग बाबा स्थान के समीप से मंगलवार को चार अपराधियों को हथियार के साथ पकड़ा गया है। वहीं अन्य अपराधी भागने में सफल रहे। जिसकी पहचान को लेकर कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अपराधी क्षेत्र में किसी लूट की घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से इकठ्ठा हुए थे। बुधवार को केसरिया थाना में पत्रकारों को जानकारी देते हुए पुलिस उपाधीक्षक चकिया सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि मलंग बाबा स्थान के समीप अपराधियों के एकत्रित होने की सूचना मिली। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की गई। जहाँ से डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के नवीन गाँधीनगर का जितेंद्र कुमार, केसरिया थाना क्षेत्र का खापगोपालपुर का शुभम राज, लोहरगाँवा का राजा बाबू उर्फ शिवम कुमार व जीतन कुमार को पकड़ा गया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, दो मोबाइल, दो चाकू व दो अपाची बाइक बरामद की गई है। बाइक लूट की है या नहीं इसका सत्यापन किया जा रहा है। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में से शुभम राज का आपराधिक इतिहास है। वह वर्ष 2023 में छतौनी थाना में दर्ज डकैती मामले व इसी वर्ष केसरिया एवं डुमरियाघाट थाना में दर्ज लूट के मामले में वांछित था। जिसकी पुलिस को तलाश थी। गिरफ्तार सभी अपराधियों को बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष उदय कुमार के अलावा एसआई बादशाह चौहान, एसआई अनिल कुमार राजपाल, पीएसआई मनीष कुमार मंडल, एसआई अनिता कुमारी, पीटीसी नयन कुमार यादव सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

- केसरिया मेला गाछी स्थित मलंग बाबा स्थान से हुई गिरफ्तारी
- एक देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, दो बाइक, दो मोबाइल व दो चाकू बरामद

कांग्रेस ने धरना देकर की बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग

बीएनएम। बगहा

बगहा नगर और बगहा 1 प्रखण्ड कांग्रेस कमिटी ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिये जाने की मांग को लेकर बगहा - 1 प्रखण्ड मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन बुधवार को किया। धरना में बिहार प्रदेश प्रतिनिधि बगहा नगर के पूर्व उप सभापति जितेन्द्र राव ने कहा है कि 2014 में सीएम नीतीश कुमार ने बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा की मांग केन्द्र की मोदी सरकार से किया था लेकिन नीतीश कुमार का एनडीए में शामिल होने के बाद यह मुद्दा ठंडे बस्ते में डाल दिया। नीतीश कुमार की मांग को केन्द्र सरकार ने सिरे से खारिज कर कहा कि बिहार इसके लिए आवश्यक शर्तें पूरा नही करता है। बगहा नगर अध्यक्ष तुफैल अहमद ने कहा जबकि विशेष राज्य के लिए इसका बीजारोपण बिहार झारखंड विभाजन के समय ही हो गया था।जब बिहार की सारी खनिज संपदा झारखंड में चलीं गईं थीं। इस मुद्दे को सभी राजनीतिक दलों ने भी विशेष राज्य का दर्जा की मांग का समर्थन कर चुकी हैं। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने के लिए दलीय राजनीति से हमें उपर उठना होगा। बिहार के सभी दलों को एक साथ खड़ा होना होगा। चाहे पक्ष हो या विपक्ष, कांग्रेस पार्टी बिहार में इस के लिए हर लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। प्रखण्ड अध्यक्ष दिनेश यादव ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने भी संसद में विशेष राज्य का दर्जा का मांग उठाया और उन्होंने कहा कि इस मांग को लेकर अब सड़कों पर इसकी लडाई लडी जायेगी।

कांग्रेस कमेटी के ओर से विशेष राज्य की दर्जा दिलाने हेतु सौंपा ज्ञापन पत्र

बीएनएम। रामगढ़वा

बिहार के पिछड़ेपन और बीमारू राज्य से ऊपर ले जाने और बिहार को विकसित राज्य का दर्जा दिलाने को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर प्रखंड विकास पदाधिकारियों को ज्ञापन दिया जा रहा है। रामगढ़वा में प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष संजय पाण्डे, प्रेमचंद्र यादव, उपेन्द्र झा, इत्यादि के नेतृत्व में रामगढ़वा बीडीओ राकेश कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा गया। प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष संजय पांडे ने बताया कि बिहार के मुख्यमंत्री को सत्ता से मतलब है इनको बिहार की चिंता तभी होती है जब वे सत्ता से बाहर रहते हैं। सत्ता का सुख मिलते ही उनके लिए बिहार और इसके बिकास की चिंता समाप्त हो जाती है। आज बिहार की आर्थिक हालत बहुत कमजोर है। कांग्रेस पार्टी के द्वारा बिहार की बदहाली को दूर करने हेतु एक अभियान चलाया जा रहा है।कांग्रेस पार्टी के द्वारा बिहार के विकास के लिए एक मजबूत आंदोलन चलाया जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर निकाली गई भव्य तिरंगा पद यात्रा

बीएनएम।केसरिया

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को क्षेत्र के युवाओं द्वारा भव्य तिरंगा पद यात्रा निकाली गई। 351 फिट लंबे तिरंगा लिये युवाओं ने भारत माता की जय सहित अन्य देशभक्ति नारों से अपनी आवाज बुलंद की। यह यात्रा केशरनाथ महादेव मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए देवीगंज पहुँची। इस पद यात्रा को देखने के लिए सड़क किनारे लोगों की भीड़ जमी रही। यात्रा का नेतृत्व कर रहे अवनीश कुमार पाठक ने कहा कि इसके माध्यम से देशभक्ति का संदेश दिया गया। तिरंगा भारत की आन, बान व शान है। देश के हर नागरिक का फर्ज बनता है कि देश सेवा के लिए हमेशा तैयार रहे। मौके पर विशाल पटेल, नितेश कुमार सिंह, मंजीत कुमार, मणिकांत गुप्ता, भगवाधारी नितेश, रूपेश मिश्रा, आयुष कुमार सिंह, आदित्य जायसवाल, पंकज कुमार सिंह, अविनाश सिंह, रवि जायसवाल, रिशु कुमार गुप्ता, सुधांशु गुप्ता, आशीष कुमार, अमित पटेल सहित अन्य मौजूद थे।

दाखिल-खारिज मामलों को लंबित रखने की शिकायत पर बगहा अंचलाधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा

बीएनएम। बगहा

दाखिल खारिज के मामलों को लंबित रखने की शिकायत मिलने पर लोक शिकायत निवारण कार्यालय ने बगहा अंचलाधिकारी, अंचल निरीक्षक तथा कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा अपर समाहर्ता, पश्चिम चम्पारण, बेतिया तथा जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, बेतिया को मंगलवार को भेजी है। लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार परिवादी डॉ. आशीष रंजन निवासी ग्राम मेहुडा, प्रखण्ड बगहा-1 ने अनुमण्डलीय लोक शिकायत निवारण कार्यालय, बगहा में शिकायत दर्ज कराया था कि दाखिल खारिज (1) वाद संख्या-2942/23-24 दिनांक-26.09.2023 से कुल 10 माह से ज्यादा समय (2) 2261/23-24 को 10.08.2023 से (1 वर्ष से अधिक) लंबित रखा गया है। (3) उसी प्रकार दाखिल खारिज वाद संख्या-4474/2023-24 22 जनवरी 2024 से (6 माह से ज्यादा समय) लंबित रखा गया है। इस प्रकार परिवादी का आरोप अंचलाधिकारी, बगहा-1 तथा उनके कर्मियों द्वारा दाखिल खारिज वादों के निष्पादन में धांधली बरती जा रही है। इन लंबित वादों के अवलोकन से स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।

निष्ठा और सत्य

निष्ठा अविभाजित मन, अविभाजित चेतना का स्वभाव है। ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। आत्मा में तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने का प्रयत्न मत करो। जिसमें भी तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की कोशिश न करो। बच्चे को मां में विश्वास है। बच्चा मां को जानने का प्रयत्न नहीं करता, उसे केवल मां में विश्वास है। जब तुममें निष्ठा है, जानने की क्या आवश्यकता है? यदि तुम प्रेम को जानने का विषय बनाते हो, प्रेम लुप्त हो जाता है। ईश्वर, प्रेम, आत्मा और निद्रा समझ के परे हैं। यदि तुम केवल विश्लेषण करते हो, संशय उत्पन्न होता है और निष्ठा खत्म होती है। जिसमें तुम्हारी निष्ठा है, उसे जानने की या विश्लेषण करने की चेष्टा न करो। विश्लेषण दूरी पैदा करता है, संश्लेषण (संकलन) जोड़ता है। निष्ठा संकलन है, जानना विभाजन। निष्ठा और विश्वास में फर्क है, विश्वास हल्का होता है, निष्ठा ठोस, अधिक सबल। हमारे विश्वास बदल सकते हैं मगर निष्ठा अटल होती है। निष्ठा के बिना चेतना नहीं। यह दिये की लौ के समान है। निष्ठा है चेतना की शान्त, स्थायी प्रकृति। निष्ठा चेतना का स्वभाव है। सत्य वह है जो बदलता नहीं। अपने जीवन को देखो और पहचानो कि वह सब जो बदल रहा है, सत्य नहीं। इस दृष्टि से देखने पर तुम पाओगे कि तुम केवल असत्य से घिरे हुए हो। असत्य को पहचानने पर तुम उससे मुक्त होते हो। जब तक तुम असत्य को पहचानोगे नहीं, उससे मुक्त नहीं हो सकते। स्वयं के जीवन के अनुभव तुम्हें तुम्हारे असत्यों की पहचान कराते हैं। जैसे-जैसे जीवन में परिपक्वता आती है, तुम पाते हो कि सभी कुछ असत्य है- घटनाएं, परिस्थितियां, लोग, भावनाएं, विचार, मत-धारणाएं, तुम्हारा शरीर-सभी असत्य है। और तभी सच्चे अर्थ में सत्संग (सत्य का संग) होता है। मां के लिए बच्चा तब तक असत्य नहीं है जब तक बालिग नहीं हो जाता। बच्चे के लिए मिठास असत्य नहीं और किशोर के लिए सैक्स असत्य नहीं। ज्ञान यदि शब्दों तक सीमित है, तो वह असत्य है। परंतु अस्तित्व के रूप में यह सत्य है।

आजादी के जश्न से विकसित भारत की शुरुआत

ललित गर्ग

भारत का 78वां स्वतंत्रता दिवस आजादी अमृतकाल के कालखंड के सन्दर्भ में एक विशाल एवं विराट इतिहास को समेटे हुए नये भारत के नये संकल्पों की सार्थक प्रस्तुति देने एवं नये संकल्प बुनने का अवसर है। यह एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटना का स्मरण करने से कहीं ज्यादा है, यह भारत की चिरस्थायी भावना, समृद्ध विरासत और इसकी विविध आबादी को जोड़ने वाली एकता का जश्न है। यह स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदानों का सम्मान करने, पिछले कुछ वर्षों में हासिल की गई प्रगति का जश्न मनाने और निरंतर विकास और समृद्धि से भरे भविष्य की आशा करने का दिन है। 'विकसित भारत' की थीम के साथ इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस भारत की भावी दशा-दिशा रेखांकित करते हुए उसे विश्व गुरु बनाने एवं दुनिया की तीसरी आर्थिक महाताकत बनाने का आह्वान होगा। यह शांति का उजाला, समृद्धि का राजपथ, उजाले का भरोसा एवं महाशक्ति बनने का संकल्प है। कोई भी विकसित होता हुआ देश किन्हीं समस्याओं पर थमता नहीं है। समाधान तलाशते हुए आगे बढ़ना ही जीवंत एवं विकसित देश की पहचान होती है। स्वतंत्रता दिवस का एक दुर्लभ अवसर है जो इस बात विश्लेषण करता है कि हम कहां से कहां तक पहुंच गए। अंतरिक्ष हो या समंदर, धरती हो या आकाश, देश हो या दुनिया आज हर जगह भारत का परचम फहरा रहा है, भारत ने जितनी प्रगति की है उसे देखकर हर देशवासी को भारतीय होने का गर्व हो रहा है तो इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया जाना कोई अतिश्योक्ति नहीं है, इसकी चर्चा करना राजनीतिक नहीं, भारत की सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक समृद्धि का बखान है। केवल अपना उपकार ही नहीं परोपकार भी करना है। अपने लिए नहीं दूसरों के लिए भी जीना है। यह हमारा दायित्व भी है और ऋण भी, जो हमें अपने समाज और अपनी मातृभूमि को चुकाना है। भारत तो अतीत से विश्व को परिवार मानता रहा है, तभी उसने वसुधैव कुटुंबकम् का मंत्र उद्घोष किया। मोदी ने अतीत की उसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए विश्व को अपना परिवार मानने की भावना का परिचय बार-बार दिया है। हम भारत के लोग विश्व मंगल की कामना की पूर्ति तभी अच्छे से कर सकते हैं जब पहले राष्ट्र मंगल की भावना से ओतप्रोत हों। इसके लिये जो अतीत के उत्तराधिकारी और भविष्य के उत्तरदायी है, उनको दृढ़ मनोबल

और नेतृत्व का परिचय देना होगा, पद, पार्टी, पक्ष, प्रतिष्ठा एवं पूर्वाग्रह से ऊपर उठकर राष्ट्रीयता को जीना होगा। यही भावना सबल, सक्षम और समरस राष्ट्र बनाएगी और विश्व में भारत का मान बढ़ाएगी, इसी से भारत विश्वगुरु बनेगा। अनेक विशेषताओं एवं विलक्षणओं वाले प्रधानमंत्री ने जमीन से जुड़ी प्रतिभाओं को पद्म सम्मान देकर भी भारत के जन-जन को उचित सम्मान देने की परम्परा का सूत्रपात किया है। आज जबकि भारत अपने पडोसी राष्ट्रों की अस्थिर, अराजक एवं हिंसक घटनाओं से घिरा है, जब प्रधानमंत्री ने यह भरोसा दिलाया कि अनेक चुनौतियों के बावजूद भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है, सुरक्षित और विकसित राष्ट्र का सपना साकार करने को तत्पर है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूल मंत्र को साकार करते हुए मोदी देश की तकदीर एवं तस्वीर बदलने में जुटे हैं। इससे यह तो साफ हो गया कि वे इन बुराइयों से निपटने और उनके खिलाफ जनमत का निर्माण करने के लिए अपने तीसरे कार्यकाल में संकल्प ले चुके हैं। उन्होंने राजनीति ही नहीं बल्कि जन-जन में व्याप्त होते भाई-भतीजावाद एवं परिवारवाद जैसी अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं को देश के लिये गंभीर खतरा बताया। इस बार मोदी ने देश के सामने कुछ ऐसी बड़ी चुनौतियों को रेखांकित किया, जिसे लेकर विपक्ष की भृकुटि कुछ तन गई है। उनके राष्ट्र-संकल्पों में ऐसी किरणे हैं, जो सूर्य का प्रकाश भी देती है और चन्द्रमा की ठण्डक भी। और सबसे बड़ी बात, वह यह कहती है कि "अभी सभी कुछ समाप्त नहीं हुआ"। अभी भी सब कुछ ठीक हो सकता है।" आधारभूत ढांचों का विकास किसी देश की क्षमता का स्पष्ट प्रमाण है। स्वतंत्रता के बाद से अब तक भारत ने आधारभूत ढांचों के विकास की कहानी भारत की कुशल नीतियों को बयां करती है। भारत बुनियादी ढांचों के विकास में अब वैश्विक स्तर छू रहा है। भारत दुनिया में बिजली का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। बिजली की औसत उपलब्धता ग्रामीण क्षेत्रों में 20.5 घंटे और शहरी क्षेत्रों में 23.5 घंटे तक पहुंच गई है। ट्रांसयूनियन सीआईबीआईएल की एक रिपोर्ट के अनुसार 2025 तक इंटरनेट के कुल नये यूजर में लगभग 56 फीसदी ग्रामीण भारत से होंगे। जनधन खाता सरकारी योजना के लाभार्थियों के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण का एक प्रमुख उपकरण बन गया है। आजादी के पहले पर्यटन जहां तीर्थाटन और देशाटन तक सीमित था, आजादी के बाद व्यवस्थित उद्योग के रूप में विकसित होना शुरू हुआ। आज स्थिति यह है कि पर्यटन के मानचित्र में भारत एक प्रमुख देश के तौर पर दर्ज है। लगातार हुए सरकारी प्रयासों के फलस्वरूप यह उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था का बड़ा संबल भी बना है। हालांकि अभी ऊंचाइयां छूना बाकी है, पर प्रगति की तेजी उल्लेखनीय है। प्रधानमंत्री देश में आतंकवादी वारदातें कम करने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, सरकार के ईमानदारी और पारदर्शिता से काम करने के संकल्पों के साथ आगे बढ़ते हुए गरीबों के कल्याण के लिए ज्यादा से ज्यादा धन खर्च कर रहे हैं और 13.5 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। निश्चित ही भारत से गरीबी दूर हो रही है। देशवासियों को इस बात का अहसास होने लगा है कि जब देश आर्थिक रूप से मजबूत होता है तो तिजोरी ही नहीं भरती बल्कि देश का सामर्थ्य भी बढ़ता है। मोदी देशवासियों से परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के खिलाफ लड़ने का आह्वान करते हुए राष्ट्र को सबल एवं सक्षम बना रहे हैं। हमें आने वाले कल के लिए संघर्ष करना है। हमें विश्व की ओर ताकने की आदत छोड़नी होगी, राजनीतिक संकीर्णता से भी ऊपर उठना होगा, जिन्हें भारत पर विश्वास है, अपनी संस्कृति, अपनी बुद्धि और विवेक पर अभिमान है, उन्हें कहीं अंतर में अपनी शक्ति का भान है, वे जानते हैं कि भारत आज पीछे पीछे चलने की मानसिकता से मुक्ति की ओर कदम बढ़ा चुका है। हमें जीवन का एक-एक क्षण जीना है- अपने लिए, दूसरों के लिए यह संकल्प सदुपयोग का संकल्प होगा, दुरुपयोग का नहीं। बस यहीं से शुरू होता है नीर-क्षीर का दृष्टिकोण। यहीं से उठता है अंधेरे से उजाले की ओर पहला कदम। वाकई देश में सबको अपना कर्तव्य निभाना होगा। प्रधानमंत्री ने उचित ही कहा है कि यदि सरकार का कर्तव्य है- हर समय बिजली देना, तो नागरिक का कर्तव्य है- कम से कम बिजली खर्च करना। अगर हमने इन संकल्पों को गंभीरता से लिया, तो भारत को विश्वगुरु होने से कोई नहीं रोक सकेगा। एक बार फिर प्रधानमंत्री ने राजनीति से परे जाकर देश को जोड़ने, सशक्त बनाने एवं नया भारत निर्मित करने का सन्देश देते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस की थीम 'विकसित भारत' है। यह थीम 2024 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के सरकार के दृष्टिकोण का प्रतीक है। यह थीम बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्योग, विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करती है। इसकी संपूर्ण झलक हमें कालजयी नेतृत्व मोदी की कार्य-योजना एवं नीतियों मिलती है जो 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने का रोडमैप है। जब मोदी का रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म अब देश की कार्यसंस्कृति का हिस्सा बन गए हैं। इनके चलते नीतिगत स्थिरता, बेहतर समन्वय और ईज आफ डूइंग बिजनेस की स्थिति बनेगी। यह विषय आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है तथा एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करता है जहां प्रत्येक नागरिक उन्नति कर सके। यह एक समृद्ध, समावेशी और लचीले भारत के निर्माण की सामूहिक आकांक्षा को दर्शाता है, जो आधुनिक प्रगति को अपनाते हुए अपनी समृद्ध विरासत का जश्न मनाएगा। इससे भारत एक आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित होगा।

पूरा जीवन एक अनुभव है आप जितने प्रयोग करते है, उतना ही इसे बेहतर बनाते है।

राल्फ वाल्डो एमर्सन

जीवन में दुखद बात यह है कि हम बड़े तो जल्दी हो जाते हैं लेकिन समझदार देर से होते है।

अज्ञात

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, श्रावण मासे शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्व, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि दसवी, गुरुवासरे, ज्येष्ठा नक्षत्रे, वैधृत योगे, विवकरणे, धनु की चंद्रमा, भद्रा शाम 5/53 से शुक्रवार को द्वादशी धारणा में पुत्रदा एकादशी व्रत तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, मिलेट्री मेन, सेना नायक, सेनापति, धनी-मानी, उत्तमवृत्ति वाला, जिद्दी-हठी, त्यागी वृत्ति का होगा।

मेष राशि :- भाग्य का सितारा साथ देगा, इष्ट-मित्र सहयोगी होंगे, रुके कार्य अवश्य ही बनेंगे।

वृष राशि :- इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, मनोबल बनाये रखें, उत्साहहीनता से हानि अवश्य होगी।

मिथुन राशि :- इष्ट-मित्रों से परेशानी, कष्ट व अशांति, दैनिक कार्यगति अनुकूल अवश्य ही बनेगी।

कर्क राशि :- मान-प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि, स्त्री-वर्ग से हर्ष-उल्लास होगा, समृद्धि के साधन जुटायेंगे।

सिंह राशि :- कार्यगति अनुकूल हो, समाज में प्रभुत्व वृद्धि होगी एवं प्रतिष्ठा अवश्य ही बढ़ेगी, ध्यान रखें।

कन्या राशि :- कुटुम्ब की परेशानी, चिन्ता, व्याग्रता तथा विघ्नता से बचिये, कार्य अवरोध होगा।

तुला राशि :- धन हानि, शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी, व्यर्थ भ्रमण, धन का व्यय संभव होगा।

वृश्चिक राशि :- इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा अवश्य ही होगा, ध्यान दें।

धनु राशि :- कार्य-कुशलता से संतोष, दैनिक समृद्धि के साधन अवश्य ही बनेंगे, समय का ध्यान रखें।

मकर राशि :- दैनिक कार्यगति में सुधार, योजना फलीभूत होगी, रुके कार्य अवश्य ही बनेंगे, ध्यान अवश्य दें।

कुंभ राशि :- विशेष कार्य स्थगित रखें, दैनिक मानसिक विभ्रम किन्तु उद्विघ्नता से अवश्य बचें।

मीन राशि :- कार्य-विफलत्व, सफलता मेहनत पर भी दिखायी न दे, कार्य अवरोध अवश्य होगा।

आखिर कैसी आजादी के पक्षधर हैं हम?

योगेश कुमार गोयल

15 अगस्त का दिन प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरव का दिन है क्योंकि इसी दिन भारत को अंग्रेजों की दासता से मुक्ति मिली थी। स्वतंत्रता दिवस को लेकर देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में एक अलग ही जज्बा और उत्साह समाहित रहता है। हालांकि वर्षों की गुलामी के बाद गुलामी की इन जंजीरों से मिली आजादी को हम किस रूप में संजोकर रख पा रहे हैं, वह सभी के समक्ष है। देश को आजाद हुए पूरे 77 बरस हो चुके हैं लेकिन आजादी के इन 77 वर्षों में लोकतंत्र के पवित्र स्थल संसद और विधानसभाओं के हालात साल दर साल किस कदर बदले हैं, वह भी किसी से छिपा नहीं है, जहां अभद्रता की सीमा पार करते जनप्रतिनिधि अभद्रता की हर हद पार करते नजर आते हैं। प्रतिवर्ष जब देश की स्वतंत्रता के साथ-साथ राष्ट्र की आन-बान और शान के प्रतीक तिरंगे के नीचे खड़े होकर बहुत से ऐसे जनप्रतिनिधियों को भी देश की रक्षा व प्रगति का संकल्प लेते देखते हैं, जो वर्षभर सरेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते देखे जाते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि आखिर ऐसी संकल्प अदायगी से देश को हासिल क्या होता है? आजादी के दीवानों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि जिस देश को आजाद कराने के लिए वे इतनी कुर्बानियां दे रहे हैं, आजादी की उसकी तस्वीर ऐसी हो जाएगी। हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् देश ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए और विकास के अनेक सोपान तय किए हैं। तकनीकी कौशल हासिल करते हुए देश अंतरिक्ष तक जा पहुंचा है लेकिन महिलाओं से दुवर्‌यवहार की घटनाएं जिस प्रकार लगातार बढ़ रही हैं और समाज में अपराधों की तादाद भी बढ़ रही है, ऐसे में देश की गुलामी का दौर देख चुके कुछ बुजुर्ग तो अब कहते सुने भी जाते हैं कि गुलामी के दिन आज की इस आजादी से कहीं बेहतर थे, जहां अपराधों को लेकर मन में भय व्याप्त रहता था किन्तु कड़े कानून बना दिए जाने के बावजूद अपराधियों के मन में अब किसी तरह का भय नहीं दिखता। देश के कोने-कोने से सामने आते अबोध बच्चियों और महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों के बढ़ते मामले आजादी की बेहद शर्मनाक तस्वीर पेश कर रहे हैं। देश में महंगाई सुरसा की तरह बढ़ रही है, मध्यम वर्ग के लिए जीवनयापन दिनों-दिन मुश्किल होता जा रहा है, आतंकवाद की घटनाएं पग पसार रही हैं, आरक्षण की आग रह-रहकर देश को जलाती रहती है। ऐसे हालात निश्चित तौर पर देश के विकास के मार्ग में बाधक बनते हैं। हर कोई सत्ता के इर्द-गिर्द ही अपनी-अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकता नजर आ रहा है, कहीं कोई सत्ता बचाने में लगा है तो कहीं कोई इसे गिराने के प्रयासों में। संसद और विधानसभाओं में हंगामेदार तस्वीरें तो अब कोई नई बात नहीं रह गई है। आजादी के बाद सामाजिक और आर्थिक पहलू पर देश में कमजोर तबके का स्तर सुधारने की नीयत से लागू आरक्षण के राजनीतिक रूप ने देश को आज उस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां समूचा राष्ट्र रह-रहकर जातीय संघर्ष के बीच उलझता दिखाई देता है। स्वार्थपूर्ण राजनीति ने माहौल को इस कदर विकृत कर दिया है, जहां से निकल पाना संभव ही नहीं दिखता। आजादी के बाद के इन साढ़े सात दशकों में महंगाई, भ्रष्टाचार और अपराध इस कदर बढ़ गए हैं कि आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। भले ही भ्रष्टाचार पर नकेल कसे जाने के कितने ही ढ़ोल क्यों न पीटे जाते रहें किन्तु वास्तविकता यही है कि आज भी अधिकांश जगहों पर बिना लेन-देन के कार्य सम्पन्न नहीं होते। बड़े नेताओं की तो छोड़ दें, छुटभैया नेताओं की भी चांदी हो चली है। आजादी के बाद लोकतंत्र के इस बदलते स्वरूप ने आजादी की मूल भावना को बुरी तरह तहस-नहस कर डाला है। आजादी का एक शर्मनाक पहलू यह भी है कि गिने-चुने मामलों को छोड़कर हत्या, भ्रष्टाचार, बलात्कार जैसे संगीन अपराधों से विभूषित जनप्रतिनिधि भी प्रायः सम्मानित जिंदगी जीते रहते हैं। देश के ये बदले हालात आजादी के कौनसे स्वरूप को उजागर कर रहे हैं, विचारणीय है। लोकतंत्र के हाशिये पर खड़ी देश की जनता के लिए इस दिशा में फिर से चिंतन-मंथन करना आवश्यक हो गया है कि वह आखिर किस तरह की आजादी की पक्षधर है? आज की आजादी, जहां तन के साथ-साथ मन भी आजाद है, सब कुछ करने के लिए, चाहे वह वतन के लिए अहितकारी ही क्यों न हो, या उस तरह की आजादी, जहां वतन के लिए अहितकारी हर कदम पर बंदिश हो। आज की आजादी, जहां स्वहित राष्ट्रहित से सर्वोपरि होकर देशप्रेम की भावना को लीलता जा रहा है, या वह आजादी, जहां राष्ट्रहित की भावना सर्वोपरि स्वरूप धारण करते हुए देश को आजाद कराने में गुमनाम लाखों शहीदों के मन में उपजे देशप्रेम का जज्बा सभी में फिर से जागृत कर सके।

पंडित रामप्रसाद 'बिस्मिल' का देश की आजादी में योगदान

संजय गोस्वामी

बहुत से ऐसे देशभक्त हुए जो देश की आजादी में अहम योगदान रहा लेकिन बहुत देश भक्त को आज महत्व नहीं दिया जा रहा है आजादी का दिन स्वतंत्रता दिवस 15अगस्त में. मैं बार बार सोचा की शायद देश भक्तो को याद किया जायेगा लेकिन अभी तक गुमनाम रहें ऐसे ही देश को आजादी दिलाने में पंडित रामप्रसाद 'बिस्मिल के समर्पण के बारे में बात करूँगा पंडित रामप्रसाद 'बिस्मिल' किसी परिचय के मोहताज नहीं। उनके लिखे 'सरफ़रोशी की तमन्ना' जैसे अमर गीत ने हर भारतीय के दिल में जगह बनाई और अंग्रेज़ों से भारत की आज़ादी के लिए वो चिंगारी छेड़ी जिसने ज्वाला का रूप लेकर ब्रिटिश शासन के भवन को लाक्षागृह में परिवर्तित कर दिया। ब्रिटिश साम्राज्य को दहला देने वाले काकोरी काण्ड को पंडित रामप्रसाद बिस्मिल ने ही अंजाम दिया और मात्र 30वर्ष की आयु में भारत माता के वीर सपूत पंडित रामप्रसाद बिस्मिल ने हॅसते हॅसते फांसी पर चढ़ गए उनका जन्म ज्येष्ठ शुक्ल 11 संवत् 1954 सन 1897 में 11जुलाई को पंडित मुरलीधर की धर्मपत्नी ने द्वितीय पुत्र को जन्म दिया। इस पुत्र का जन्म मैनपुरी में हुआ था। सम्भवतः वहाँ बालक का ननिहाल रहा हो। इस विषय में श्री व्यथित हृदय ने लिखा है- यहाँ यह बात बड़े आश्चर्य की मालूम होती है कि बिस्मिल के दादा और पिता ग्वालियर के निवासी थे। उनके पिता कचहरी में स्टाम्प पेपर बेचने का कार्य करते थे। उनके माता-पिता राम के आराधक थे, जिसके चलते उनका नाम रामप्रसाद रखा गया। मुरलीधर के घर कुल 9 सन्तानें हुई थी, जिनमें से पाँच लड़कियां एवं चार लड़के थे। जन्म के कुछ समय बाद दो लड़कियां एवं दो लड़कों का निधन हो गया था। बाल्यकाल से ही रामप्रसाद की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा। उनका मन खेलने में अधिक और पढ़ने में कम लगता था। इसके कारण उनके पिताजी उन्हें खूब पीटा करते थे, ताकि वह पढ़ाई-लिखाई कर के एक क्रांतिकारी बन सकें। परन्तु उनकी माँ हमेशा प्यार से यही समझाती कि "बेटा राम ! ये बहुत बुरी बात है पढ़ाई किया करो। " माँ के प्यार भरी सीख का भी उनपर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। जन्म के एक-दो माह बाद इतना दुर्बल हो गया कि उसके बचने की आशा ही बहुत कम रह गई थी। माता-पिता इससे अत्यन्त चिन्तित हुए। उन्हें लगा कि कहीं यह बच्चा भी पहले बच्चे की तरह ही चल न बसे। इस पर लोगों ने कहा कि सम्भवतः घर में ही कोई बच्चों का रोग प्रवेश कर गया है। इसके लिए उन्होंने उपाय सुझाया। बताया गया कि एक बिल्कुल सफ़ेद खरगोश बालक के चारों ओर घुमाकर छोड़ दिया जाए। यदि बालक को कोई रोग होगा तो खरगोश तुरन्त मर जायेगा। माता-पिता बालक की रक्षा के लिए कुछ भी करने को तैयार थे, अतः ऐसा ही किया गया। आश्चर्य की बात कि खरगोश तुरन्त मर गया। इसके बाद बच्चे का स्वास्थ्य दिन पर दिन सुधरने लगा। यही बालक आगे चलकर प्रसिद्ध क्रान्तिकारी अमर शहीद रामप्रसाद बिस्मिल के नाम से प्रसिद्ध हुआ। बिस्मिल के दादा जी नारायण लाल का पैतृक गाँव बरबाई था। यह गाँव तत्कालीन ग्वालियर राज्य में चम्बल नदी के बीहड़ों के बीच स्थित तोमरघार क्षेत्र के मुरैना जिले में था और वर्तमान में यह मध्य प्रदेश में है। 18 वर्ष की आयु में , गलत संगत में पड़ गए एवं सिगरेट पीना, भाँग पीना, इत्यादि नशा करना शुरू कर दिया। लेकिन आर्य समाज के संपर्क में आकर ग़लत आदतों से बच गए और मातृभूमि से प्रेम हो गया और उसके बाद उन्होंने उर्दू भाषा में मिडिल की परीक्षा उत्तीर्ण न होने पर अंग्रेजी पढ़नी शुरू की। साथ ही पड़ोस के एक पुजारी ने रामप्रसाद को पूजा-पाठ की विधि बतानी शुरू की। पुजारी के उपदेशों के कारण रामप्रसाद पूजा-पाठ के साथ ब्रह्मचर्य का पालन करने लगे। इससे उनके शरीर में अप्रत्याशित परिवर्तन हो चुका था, वह नियमित पूजा-पाठ में समय व्यतीत करने लगे थे। एक दिन उनकी मुलाकात मुंशी इन्द्रजीत से हुई। जिन्होंने रामप्रसाद को आर्य समाज के सम्बन्ध में बताया और स्वामी दयानन्द सरस्वती की लिखी पुस्तक "सत्यार्थ प्रकाश" को पढ़ने की प्रेरणा दी। उस पुस्तक के गम्भीर अध्ययन से रामप्रसाद के जीवन पर आश्चर्यजनक प्रभाव पड़ा। वर्ष 1915 में, जब उन्हें आर्य समाज के संस्थापक भाई परमानन्द की फाँसी का समाचार मिला तो उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य को नष्ट करने की प्रतिज्ञा ली। रामप्रसाद ने पं॰ गेंदालाल दीक्षित के मार्गदर्शन में मातृवेदी नामक एक संगठन का गठन किया। इस संगठन की ओर से एक इश्तिहार और एक प्रतिज्ञा भी प्रकाशित की गई। संगठन के लिए धन एकत्र करने के उद्देश्य से रामप्रसाद ने जून 1918 में दो तथा सितम्बर 1918 में एक; कुल मिलाकर तीन डकैतियां डालीं। मैनपुरी डकैती में शाहजहाँपुर के तीन युवक शामिल थे, जिनके सरदार रामप्रसाद बिस्मिल थे, किन्तु वे पुलिस के हाथ नहीं आए, वह तत्काल फरार हो गए। जिसके चलते स्थानीय पुलिस द्वारा उनके खिलाफ गिरफ्तारी का नोटिस जारी किया गया। पं॰ गेंदालाल दीक्षित ने मैनपुरी षडयन्त्र में बिस्मिल के मार्गदर्शन में 7 मार्च 1925 को बिचपुरी और 24 मई 1925 को द्वारकापुर में दो राजनीतिक डकैतियां डालीं। परन्तु उन्हें कुछ विशेष धन प्राप्त नहीं हो सका। इन दोनों डकैतियों में एक-एक व्यक्ति की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। अन्ततः उन्होंने यह निश्चय किया कि वे अब केवल सरकारी खजाना ही लूटेंगे,क्योंकि ऐ खजाना भारत के शोषित मजदूर व किसने के अवैध रूप से थोपे गए कर थे अतः ऐ शोषण उन्हें बिलकुल पसन्द नहीं था किसी भी रईस के घर डकैती बिल्कुल न डालेंगे। 9 अगस्त 1925 को बिस्मिल के नेतृत्व में कुल 10 लोगों ने काकोरी रेलवे स्टेशन से सरकारी खजाने की लूट की। ब्रिटिश सरकार ने इस ट्रेन डकैती को गम्भीरता से लेते हुए, इसकी जाँच डी॰ आई॰ जी॰ के सहायक (सी॰ आई॰ डी॰ इंस्पेक्टर) मिस्टर आर॰ ए॰ हार्टन को सौंप दी। वर्ष 1916 के कांग्रेस अधिवेशन में स्वागताध्यक्ष पं॰ जगत नारायण 'मुल्ला' के आदेश की धज्जियाँ बिखेरते हुए, रामप्रसाद ने जब लोकमान्य बालगंगाधर तिलक की पूरे लखनऊ शहर में शोभायात्रा निकाली, तो सभी नवयुवकों का ध्यान उनकी दृढता की ओर आकर्षित हुआ। बिस्मिल की एक विशेषता यह भी थी कि वे किसी भी स्थान पर अधिक दिनों तक ठहरते नहीं थे। पलायन के दिनों में, उन्होंने वर्ष 1918 में प्रकाशित अंग्रेजी पुस्तक "दि ग्रेण्डमदर ऑफ रसियन रिवोल्यूशन" का हिन्दी अनुवाद किया। बिस्मिल ने शाहजहाँपुर में "भारत सिल्क मैनुफैक्चरिंग कंपनी" में एक प्रबंधक के रूप में कार्य किया। उसके बाद उन्होंने सदर बाजार में बनारसीलाल के साथ रेशमी साड़ियों का व्यापार करना शुरू किया। वर्ष 1921 में, उन्होंने अहमदाबाद कांग्रेस अधिवेशन में पूर्ण स्वराज के प्रस्ताव पर मौलाना हसरत मोहनी का भरपूर समर्थन किया था।

आमजन के लिए आज भी बेमायने है आजादी!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

वास्तव में आजादी की कीमत पिंजरे में कैद वह पक्षी ही जान सकता है, जिसके पंख फड़फड़ाकर पिंजरे से टकरा टूट जाते हैं, जो पिंजरे की कैद रूपी गुलामी से आजाद होने के लिए लगातार तड़पता है। उसकी चीत्कार और संघर्ष उन आम लोगों का प्रतीक कहा जा सकता है, जिनको 15 अगस्त 1947 से पहले अंग्रेज सरकार तानाशाही के चाबुक से रहरहकर घायल कर रही थी।यह वह दौर था जब भारतीयों को गुलाम बनाकर उनका तरह तरह से उत्पीड़न किया जा रहा था। अंग्रेजो की क्रूरता और नरसंहार के इस खेल में मानवता भी थरथरा उठती थी।भारतीयों के अंतरमन से आवाज आ रही थी कि आखिर कब तक गुलामी का दंश झेलते रहेंगे? कब तक अंग्रेजों के जुल्म को सहते रहेंगे? देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराने के लिए आजादी के तराने गाये जाने लगे,

ऐ वतन ऐ वतन हमको तेरी कसम,
तेरी राहों में जां तक लुटा जाएंगे,

दलितो-वंचितो-पीड़ितो-शोषितो के मायूस चेहरे पर आजादी की चमक का आगाज कर रही थीं । देश मे आजादी मिलते ही लोकतंत्र की नींव रखी गई और देश का प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को चुना गया। सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रयासों से रियासतों का एकीकरण हुआ और डॉ. भीमराव अंबडेकर के प्रयासों ने देश का संविधान अल्प समय में तैयार कर सरकार चलाने की विधि व कानून व्यवस्था प्रावधान लागू किये गए। नई पीढ़ी की शिक्षा के लिए शिक्षामंत्री बनाया गया और हर गांव में पाठशालाएं खोलने के लिए स्वीकृति प्रस्ताव पारित किए गए। यह सब परतंत्रता की बेड़ियों से पड़े जिस्म पर घावों के लिए मरहम की तरह था। लेकिन आजादी के कुछ सालों बाद ही देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चयनित हुए जनप्रतिनिधियों की मानसिकता देशहित न रहकर स्वहित होने लगी। राजनेताओं की स्वहित मानसिकता और लालची रवैये ने राष्ट्रभक्ति की समस्त सीमाएं तोड़ दीं। पहले गोरे, कालों को लूट रहे थे, तो अब काले ही कालों को लूटने लगे। विकास कार्यो को परिभाषित करने के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के साथ ही अलमारी में फाइलों की संख्या बढ़ने लगी। जिन राष्ट्रभक्तो और कवियों ने जेल की दीवारों पर वंदेमातरम् लिखकर आजादी की इबारत लिखी थी, उनकी पीठ पर पड़े कोड़ों की मार से निकले फोड़ों के फूटने पर आए लहू के कतरे उपेक्षा की कहानी बयां कर रहे थे। लाठी के दम पर आजादी की मशाल जलाने वाले गांधी का अपमान कर गोड़से को आराध्य माना जाने लगा। देश के युवाओं की दिशा पश्चिमीकरण के कारण भ्रमित हो गई। सरकारी कार्यालयों में लगी भ्रष्टाचार की दीमक ने अधिकारियों और कर्मचारियों के ईमान को नोंच डाला। बेरोजगारी ने नौकरियों और उच्च शिक्षा के प्रति आमजन का मोहभंग कर दिया।आए दिन नए-नए घोटालों और अपराधिक ता ने जनप्रतिनिधियों की पोल खोलकर रख दी। ऐसी बदहाल आजादी की कल्पना महात्मा गांधी ने तो कभी नही की थी। जिस देश में स्कूलों से ज्यादा शराब के ठेके नजर आते हो , जहां पैसों वालों के लिए कानून उनकी जेब मे हो और गरीबों के लिए केवल शोषण हो। जहां फुटपाथों पर मासूमों का बसेरा हो और अमीरों की गाड़ियों का पहिया जिनकी मौत का कारण बनता हो। यहां अमीरों के लिए ही अच्छे दिन है ,बाकी गरीबों की आंखों में तो आज भी पानी ही है। सवाल उठता है कि क्या हम हर 15 अगस्त को यूं ही समस्याओं का जिक्र करते रहेंगे या फिर खुद भी देश के लिए कुछ करने के लिए खड़े होंगे? आजादी की भौतिकता तक सीमित न रहकर सोच और मन से आजाद होने की आज सबसे बड़ी जरूरत है। आजादी का मतलब केवल अधिकारों की मांग के नाम पर उग्र प्रदर्शन करना भर नहीं है, बल्कि कर्तव्यों के प्रति भी सकारात्मक भूमिका निभाना है। नेताओं को कोसना ही काफी नहीं है, बल्कि ईमानदार व्यक्ति को नेता बनाने के लिए सक्रिय मतदाता बनकर चुनाव करना भी है। आज देश का करोड़ों रुपया नमामि गंगे और स्वच्छ भारत अभियान पर खर्च हो रहा है?लेकिन फिर भी न गंगा साफ हो पाई और न ही स्वच्छता कायम रख पाए।इस दिन हर भारतवासी अपने देश की आजादी के शहीदों व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद करता है, जिनके खून पसीने और संघर्ष से हमें आजादी नसीब हुई। स्वतंत्रता के मायने हर नागरिक के लिए अलग-अलग होते हैं, कोई व्यक्ति स्वतंत्रता को अपने लिए खुली छूट मानता है, जिसमे वह अपनी मर्जी का कुछ भी कर सके, चाहे वह गलत हो या सही हो। लेकिन स्वतंत्रता सिर्फ अच्छी चीजों के लिए होती है। बुरी चीजों के लिए स्वतंत्रता अभिशाप बन जाती है। इसलिए स्वतंत्रता के मायने तभी हैं जब स्वतंत्रता में मर्यादा, चरित्र और समर्पण का भाव हो। अगर स्वतंत्रता में मर्यादा, चरित्र और समर्पण ही नहीं है तो यह आजादी नहीं बल्कि एक प्रकार का छुट्टापन होता है। जिस पर कोई भी लगाम नहीं होती। यही छुट्टापन देश और समाज में बलात्कार, छेड़खानी, हत्या और मॉब लिंचिंग जैसी घटनाओं के अंजाम के लिए जिम्मेदार होता है। स्वतंत्रता दिवस के दिन देश के युवा पतंगें उड़ा कर आजादी का जश्न मनाते हैं। हवा में लहराती पतंगें संदेश देती हैं कि हम आजाद देश के निवासी हैं। लेकिन क्या तिरंगा फहराकर या पतंग उड़ाकर आजादी का अहसास हो जाता है? क्या भारत में हर किसी को आजादी से जीने का हक मिल पाया है? हमें आजादी मिली, उसका हमने क्या सदुपयोग किया। लोग पेड़ों को काट रहे हैं। बालिका भ्रूण की हत्या हो रही है। सड़कों पर महिलाओं पर अत्याचार होते हैं। अकेले रह रहे बुजुर्गों की हत्या कर दी जाती है। शराब पीकर लोग देश में सड़क हादसों को अंजाम देते हैं, और दूसरे बेगुनाह लोगों को मार देते हैं। ये कैसी आजादी है, जहां एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का हनन कर रहा है। आज भी हमारे आजाद भारत देश में बाल अधिकारों का हनन हो रहा है। छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जाने की उम्र में काम करते दिख जाते हैं। आज बाल मजदूरी समाज पर कलंक है। इसके खात्मे के लिए सरकारों और समाज को मिलकर काम करना होगा। साथ ही साथ बाल मजदूरी पर पूर्णतया रोक लगानी चाहिए। बच्चों के उत्थान और उनके अधिकारों के लिए अनेक योजनाओं का प्रारंभ किया जाना चाहिए। जिससे बच्चों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव दिखे और शिक्षा का अधिकार भी सभी बच्चों के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए। गरीबी दूर करने वाले सभी व्यवहारिक उपाय उपयोग में लाए जाने चाहिए। बालश्रम की समस्या का समाधान तभी होगा जब हर बच्चे के पास उसका अधिकार पहुँच जाएगा। इसके लिए जो बच्चे अपने अधिकारों से वंचित हैं, उनके अधिकार उनको दिलाने के लिये समाज और देश को सामूहिक प्रयास करने होंगेआज भी देश में महिलाओं के मौलिक अधिकार चाहे समानता का अधिकार हो, चाहे स्वतंत्रता का अधिकार हो, चाहे धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार हो, चाहे शिक्षा और संस्कृति सम्बन्धी अधिकार हो; समाज द्वारा नारियों के हर अधिकार को छीना जाता है या उस पर बंदिशे लगायी जाती हैं, जोकि एक स्वतंत्र देश के नवनिर्माण के लिए शुभ संकेत नहीं है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

दुनिया का सबसे महंगा मसाला केसर

दुनिया में एक से बढ़कर एक मसाले हैं, जो अपने स्वाद की वजह से जाने जाते हैं। लेकिन एक ऐसा मसाला भी है, जो अपनी कीमत की वजह से मशहूर है। इसी वजह से इसे दुनिया का सबसे महंगा मसाला कहा जाता है।

इस मसाले के पौधे को भी दुनिया का सबसे महंगा पौधा कहा जाता है। इसे उगाने वाले प्रमुख देशों में भारत समेत फ्रांस, स्पेन, ईरान, इटली, ग्रीस, जर्मनी, जापान, रूस, ऑस्ट्रिया, तुर्किस्तान, चीन, पाकिस्तान और स्विट्जरलैंड शामिल हैं। भारत में इसकी खेती जम्मू के किश्तवाड़ और जन्नत-ए-कश्मीर के पामपुर (पंपोर) के सीमित क्षेत्रों में अधिक की जाती है। दुनिया के इस सबसे महंगे मसाले का नाम है केसर, जिसे अंग्रेजी में सैफ्रन कहा जाता है। बाजार में केसर की कीमत ढाई लाख रुपये से तीन लाख रुपये प्रति किलो के बीच है। केसर के महंगा होने की वजह ये है कि इसके डेढ़ लाख फूलों से लगभग एक किलो सूखा केसर ही प्राप्त होता है। सोने की तरह महंगा होने की वजह से केसर को रेड गोल्ड भी कहा जाता है। माना जाता है कि आज से करीब 2300 साल पहले ग्रीस (यूनान) में सबसे पहले सिकंदर महान की सेना ने इसकी खेती की थी। कहा जाता है कि मिस्र की रहस्यमय रानी के तौर पर मशहूर क्लियोपेट्रा भी अपनी सुंदरता बढ़ाने के लिए केसर का इस्तेमाल करती थीं। हालांकि, कुछ लोग मानते हैं कि केसर की उत्पत्ति दक्षिणी यूरोप के देश स्पेन में हुई है। आज दुनिया में सबसे ज्यादा केसर की खेती स्पेन में ही होती है। केसर के फूलों की खुशबू इतनी तेज होती है कि आसपास के इलाके महक उठते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि हर फूल में केवल तीन ही केसर पाए जाते हैं। वैसे तो केसर का इस्तेमाल आयुर्वेदिक नुस्खों में, खाद्य व्यंजनों में और देव पूजा में तो होता ही था, लेकिन अब पान मसालों और गुटखों में भी इसका इस्तेमाल होने लगा है। केसर को रक्तशोधक, निम्न रक्तचाप को ठीक करने वाली और कफ नाशक भी माना जाता है। इसी वजह से इसका इस्तेमाल चिकित्सा से लेकर जड़ी-बूटियों तक में किया जाता है।

जापान का अनोखा रेस्तरां

साल में एक बार ही खुलता है

जापान के कई इलाकों में अच्छी खासी बर्फबारी होती है। इस वजह से जापान में विश्व भर से कई पर्यटक घूमने आते हैं। यहां के कामाकुरा गांव में बर्फबारी के साथ पर्यटकों को खाने का एक अनोखा अनुभव देने के लिए सालाना एक रेस्तरां बनाया जाता है। यह रेस्तरां हर साल एक महीने के लिए ओपन किया जाता है।

इस रेस्तरां का नाम लिखमा कामाकुरा रेस्तरां है। दरअसल जापानी भाषा में कामाकुरा का अर्थ बर्फ से बनी झोपड़ियां होता है। यहां के स्थानीय वालंटियर्स ने यहां होने वाली बर्फबारी का सटीक उपयोग करने के मकसद से करीब 24 साल पहले यह स्कॉम शुरू की थी।

पारंपरिक डिशेज खाने का मजा मिलता है

रेस्तरां में बर्फ से इग्लू बनाए जाते हैं। इन इग्लू में पर्यटकों को मशहूर जापानी खाना परोसा जाता है। इनमें लकड़ी की टेबल- कुर्सियां रखी होती हैं। वहां पर्यटक जापान मेंं सदियों से बनाई जा रही पारंपरिक डिशेज का मजा लेते हैं। ठंडे मौसम में गर्माहट पाने के लिए पर्यटकों को खास स्थानीय मशरूम और सब्जियों से बनी हॉट पीट डिश नोराशी नावे दी जाती है। लंब-डिनर में यहां के मशहूर राइस बॉल के साथ ही चावल से बनी खास स्वीट डिश शिरोकू भी परोसी जाती है।

स्नो एक्टिविटीज में भी भाग ले सकते हैं यहां

इग्लू में बैठ कर खाना खाने के अलावा यहां आकर पर्यटक कई स्पोर्ट्स गतिविधियों का आनंद भी उठा सकते हैं। यहां पर विश्व स्तरीय रकी रिजॉर्टस और स्लेडिंग एरिया भी बनाए गए हैं। हर साल फरवरी माह के दूसरे सप्ताह में यहाँ कामाकुरा विलेज फेस्टिवल भी आयोजित किया जाता है। इस दौरान पर्यटक यहां जापान के पारंपरिक संगीत और कई गतिविधियों का मजा ले सकते हैं। फेस्टिवल के दौरान बर्फ से संबंधित कई एक्टिविटीज भी आयोजित की जाती है। इसके साथ ही रात के समय आतिशबाजी की जाती है। बाकी दिनों में यहां चावल की खेती की जाती है। यहां लंच और डिनर करने के लिए पहले से ही बुकिंग करना होता है। कामकुरा विलेज रेस्तरां की ऑफिशियल साइट पर जाकर ही आप रजिस्ट्रेशन कर सकते है। लंच करने के लिए एक वयस्क को 2300 रुपए तो डिनर के लिए 2600 रुपए चुकाने पड़ते हैं। टोक्यो से ढाई घंटे के रेल सफर के जरिए इस जगह पर पहुंचा जा सकता है।

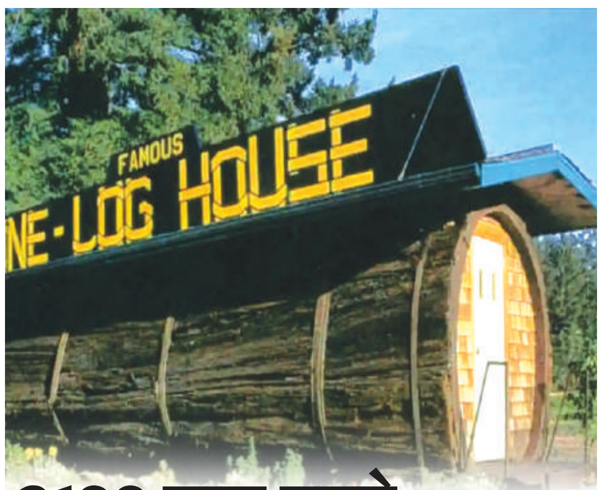

2100 साल पुराने रेडवुड पेड़ से तैयार हुआ था ये अनोखा घर

वन लॉग हाउस के नाम से पहचाने जाने वाला ये घर अमेरिका में पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र है। 2100 साल पुराने रेडवुड से तैयार किया गया 'वन लॉग हाउस' यूएस 101 हाइवे पर स्थित है। इसे 1946 में तैयार किया गया था। अंदर से 13 फीट लंबा है जिसमें बेडरूम है और रहने-खाने का पूरा इंतजाम है। इस पेड़ के तने का वजन 42 टन था और इस 7′ फीट ऊंचे और 32′ लंबे पेड़ को खोखला करने में 8 महीने लग गए थे। हालांकि पहले इसमें पहिये भी लगाए गए थे ताकि इसे कहीं भी लाया जा सके लेकिन वन लॉग हाउस 1999 में अपने वर्तमान स्थान पर चला गया और तब से वहीं है। यह हम्बोल्ट काउंटी/मेंडोकिनो काउंटी लाइन में यूएस हाईवे 101 पर स्थित है।

'वन लॉग हाउस' यूएस 101 हाइवे पर स्थित है। इसे 1946 में तैयार किया गया था। अंदर से 13 फीट लंबा है जिसमें बेडरूम है और रहने-खाने का पूरा इंतजाम है।

बर्फ और आग का देश कहलाता है आइसलैंड

जमा देने वाली बर्फ का नाम लेते ही जहन में आइसलैंड का नाम आता है। आइसलैंड उत्तरी अटलांटिक में ग्रीनलैंड का एक द्विपीय देश है। लगभग पूरे साल यहां पर बर्फ गिरी रहती है। बैसे तो हम आइसलैंड को बर्फ के लिए ज्यादा जानते हैं।

लेकिन ये बात जितनी सच है उतनी ही झूठ भी। दरअसल, आइसलैंड में में जितनी बर्फ जमी रहती है उससे कहीं ज्यादा यहां पर ज्वालुमखी और गर्म पानी के झरने भी मिलते हैं। कहा जाता है कि दुनिया के सबसे ज्यादा ज्वालामुखी यहीं पाए जाते हैं। आइसलैंड में सूरज 24 घंटे आसमान में रहता है, यानी कि जून के महीने में यहां रात होती ही नहीं है। जिससे 24 घंटे गर्मी का मौसम बना रहता है। ज्वालामुखी की अधिकता भी गर्मी का एक कारण है। यहां पर हर चार साल में एक ज्वालामुखी फटता है। यहां पर जितनी बर्फ मिलेगी उतनी ही आग भी यहां पर मिलती है। अपने इसी खासियत के लिए आइसलैंड आग और बर्फ का देश कहलाता है।

बिकने को तैयार है पिरामिड वाला घर, मालिक ने रखी ये कीमत

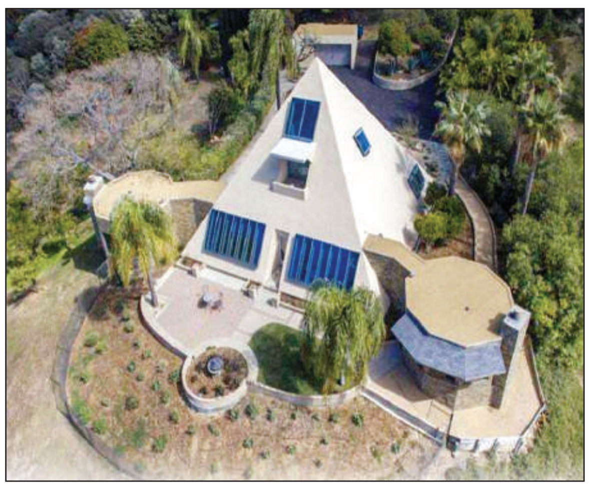

अमेरिका के कैलिफोर्निया में आपको ये पिरामिड के आकार की इमारत दिखेगी। इसे देखकर आप भी चक्कर खा जाओगे कि आखिर ये है क्या। दूर से देखने पर आपको ये एक पिरामिड सा लगेगा। बता दें कि ये कोई पिरामिड नहीं है, बल्कि एक घर है जिसे इस आकार का बनाया गया है। कि देखने वाला भी कहे अरे वाह। प्रशांत महासागर के पास बना ये घर अपने आप में अद्भुत है। इसकी डिजाइन आपको सबसे अलग लगेगी। बाहर से छोटा और साधारण दिखने वाला ये घर अंदर से बहुत ही सुंदर है। इसमें आपको किसी चीज की कमी नहीं दिखेगी। घर का सारा सामान यहां पर मौजूद है। यहां के मालिक ने इसे सुंदर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। बाहर का डिजाइन एकदम अलग और अंदर से बिल्कुल घर जैसा। इसके मालिक ने इसे बेचने का मन बनाया है और कीमत रखी है तीन हजार डॉलर।

भोजन तलाशने में गूगल से भी तेज हैं चीटियां

चींटियॉ खास तौर पर सभी जगह पायी जाती हैं. पुरे विश्व में इसकी बीस हजार प्रजातियां हैं. यह वजन मे काफी हलकी, आकार मे काफी छोटी और नाजुक होती हैं. इसका रंग ज्यादातर काला लाल तथा हलका सफेद होता है. इसके पैर छह होते है. जानकारों का मानना है, कि चींटिया भोजन तलाशने मे गूगल से भी तेज है.

कैसे तेज है चीटियां

चीटियां अपने काम के प्रति काफी सक्रिय होती है, यह भोजन जुटाने तथा भोजन कि जगह ढूंढने में और अपने अन्य साथियों तक यह जानकारी पहुंचाने मे इनका सर्च गूगल से भी बेहतर है ऐसा शोधकर्ता का मानना है.

कैसे पहुंचाती है चीटियां जानकारी

चीटी जैसे ही किसी भोजन के भंडार तक पहुंचती है, वह सबसे पहले उसका स्वाद लेती है. भोजन ठीक लगने पर वह इसका भंडार से अन्न का एक तुकडा अपने साथ ले जाती है, और जाते वक़्त वह अपने पीछे विशेष पदार्थ छोड जाती है जिसे विज्ञान की भाषा में फेरोमॉस कहा जाता है. जैसे ही चीटी अपने साथियो के पास पहुंचती है, वह वहां से अपने अधिकतम साथियों के साथ वापस भोजन भंडार लौट आती है, वापस आते वक़्त वह अपने द्वारा छोडे गये फेरोमॉस द्रव्य पदार्थ के माध्यम से भंडार तक पहुंचती है. इसके बाद सारी चीटियां यह भोजन वहां से उठाकर अपने स्थान पर ले जाती है. उनके आने जाने का तरीका इतना नियमित और शिस्तबद्ध होता है कि कम समय मे वह अधिक से अधिक काम कर लेती हैं.

चीटियों की ताकत

चीटियों मे मनुष्य की तुलना से ज्यादा मांस पेशियां पाई जाती है और उनकी मांस पेशिया कभी थकती नहीं. चीटियाँ अपने वजन से तीन गुना ज्यादा का वजन उठाती हैं. वे हमेशा कार्यरत ही पायी जाती है. आपने कभी किसी चीटी को आराम करते नही देखा होगा.

चीटियों का परिवार

चीटियों के परिवार मे तीन किस्म के सदस्य होते है. इन सभी सदस्यों का काम अलग अलग होता है. चीटियों के परिवार मे पहले नर सदस्य होते हैं, दूसरे मादा सदस्य और तीसरे मजदूर सदस्य.

नर सदस्य का जीवन कुछ ही दिनों का होता है, इन्हे पंख होते हैं. मादा चीटियां प्रजनन करती है, इसे रानी चीटी कहा जाता है. रानी चींटी करीब 70,000 अंडे देती है. जो चीटियाँ प्रजनन की क्षमता नहीं रखती उन्हें मजदूर चींटी कहा जाता है. इनका काम परिवार के लिये भोजन इकट्ठा करना तथा उन्हें सुरक्षा प्रदान करना.

राज्य की सुरक्षा के लिये चीटियों की नीति अपनाई जाती थी

पुराने समय में राजा महाराजा और उनके सेनापती राज्य की सुरक्षा के लिये सैनिकों को चीटियों की काम करने की नीति, उनका काम के प्रति रुझाव नियमितता और उनके संघटन की मजबूत ताकत का उदाहरण लेकर अपनी सेना को प्रशिक्षित किया करते थे.

चीटियों का जीवनकाल

- नर चीटिया कुछ ही दिनों तक जीवित रहती हैं.
- मादा चींटी जिसे रानी चींटी कहते है, वो 14 से 15 वर्ष तक जीवित रह सकती हैं.
- मजदूर चींटी 4 से 6 वर्ष तक जीवित रह सकती हैं.
- चीटियों की कुछ प्रजातीया खुंखार होती है
- शोधकर्ताओं के अनुसार, जंगलों मे चीटियों की कुछ प्रजातीयां है जो एक बार व्यक्ति को काट दे तो वह 15मिनिटों मे दम तोड देगा. वैसे भी हम बचपन से सुनते आ रहे हैं कि हाथी को चीटी काट जायें तो उसकी भी मौत हो जाती है.

वन-डे कप और प्रथम श्रेणी मैचों के लिए नॉर्थम्पटनशायर से जुड़ेंगे युजवेंद्र चहल

लंदन। भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल नॉर्थम्पटनशायर के साथ अपने अंतिम रॉयल लंदन वन-डे कप मैच में केंट के खिलाफ खेलेंगे और टीम के लिए काउंटी चैम्पियनशिप के शेष पांच मैचों में भी हिस्सा लेंगे। क्लब ने कहा कि 34 वर्षीय लेग स्पिनर चहल बुधवार को कैंटरबरी में केंट के खिलाफ होने वाले मैच से पहले टीम से जुड़ जाएंगे और फिर लाल गेंद के बाकी अभियान के लिए उपलब्ध रहेंगे। नॉर्थम्पटनशायर के मुख्य कोच जॉन सैडलर को लगता है कि चहल क्लब के गेंदबाजी आक्रमण में अतिरिक्त विविधता और गहराई लाएंगे। उन्होंने कहा, "युजवेंद्र एक और हाई-प्रोफाइल विदेशी खिलाड़ी हैं, जो अपने साथ ढेर सारा अनुभव और कुछ अविश्वसनीय कौशल लेकर आए हैं। उनका रिकॉर्ड अपने आप में सब कुछ बयां करता है और उनकी विकेट लेने की क्षमता हमारे आक्रमण को मजबूती देगी।" अप्रैल 2024 में, चहल आईपीएल के इतिहास में 200 विकेट के आंकड़े तक पहुंचने वाले पहले गेंदबाज बन गए। वह भारत की 2024 टी20 विश्व कप विजेता टीम में चार फ्रंटलाइन स्पिनरों में से एक थे, लेकिन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। हालांकि चयनकर्ता सीनियर लेगस्पिनर को अपनी बैक-अप सूची में रखना जारी रखा है, खासकर सबसे छोटे प्रारूप के लिए, इससे उन्हें मैच-फिट रहने और अपने रेड-बॉल गेम को बेहतर बनाने का मौका मिलेगा। नॉर्थम्पटनशायर वर्तमान में नौ टीमों के वन-डे कप ग्रुप ए तालिका में सबसे नीचे स्थान पर है, जिसने अब तक सात मैचों में से केवल एक में जीत हासिल की है।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीका ने घोषित की टी20 टीम; क्वेना मफाका नया चेहरा

नई दिल्ली। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम की घोषणा कर दी है। क्वेना मफाका को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। 17 वर्षीय तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को पहली बार दक्षिण अफ्रीकी टी20 टीम में शामिल किया गया है। मफाका का चयन दक्षिण अफ़्रीकी चयनकर्ताओं का एक साहसिक कदम है, जिन्होंने युवाओं में निवेश करने और भविष्य के लिए एक मज़बूत नींव बनाने की इच्छा दिखाई है। इस किशोर ने अपनी तेज़ गति और सटीकता से प्रभावित किया है, और टीम में उनका शामिल होना घरेलू स्तर पर उनके लगातार प्रदर्शन का इनाम है। इसके अलावा, चयन समिति ने टीम में अनकैप्ड जेसन स्मिथ को शामिल करके भी सबको चौंका दिया है, जो दक्षिण अफ़्रीकी टी20 क्रिकेट के लिए एक नए युग का संकेत है। स्मिथ का शामिल होना घरेलू क्रिकेट में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुरंत प्रभाव डालने की उनकी क्षमता में चयनकर्ताओं के विश्वास का प्रमाण है। व्हाइट-बॉल के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने एक्स बाय प्रोटियाज मेन पर साझा किए गए एक बयान में कहा, "हम जेसन [स्मिथ] और क्वेना [माफाका] को इस सीरीज के लिए टीम में शामिल करने के लिए उत्साहित हैं। जेसन का हालिया प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है, और बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देने की उनकी क्षमता हमारे लाइन-अप में मूल्यवान गहराई जोड़ती है। क्वेना को एक ऐसे खिलाड़ी के रूप में पहचाना गया है जिसमें महत्वपूर्ण क्षमता है, और यह दौरा उसे प्रोटियाज वातावरण में शामिल करने और बहुमूल्य अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने का एक शानदार अवसर प्रस्तुत करता है।"

वेस्टइंडीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टी20 टीमः- एडेन मार्कराम, ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, डोनोवन फरेरा, ब्योर्न फोर्टुइन, लुंगी एनगिडी, रीजा हेंड्रिक्स, पैट्रिक क्रुगर, क्वेना मफाका, वियान मुल्डर, रयान रिकेलटन, जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, लिजाड विलियम्स।

एआईएफएफ केरल और हिमाचल प्रदेश राहत सहायता के लिए करेगा चैरिटी मैच का आयोजन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बाढ़ प्रभावित केरल और हिमाचल प्रदेश में राहत कार्य में सहायता के लिए दो चैरिटी फुटबॉल मैच आयोजित करने की घोषणा की है। दोनों राज्य विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहे हैं, दक्षिणी राज्य केरल अभी भी वायनाड में बड़े पैमाने पर भूस्खलन के बाद की स्थिति से उबर नहीं पाया है, जबकि हिमाचल प्रदेश में बारिश से संबंधित ताजा बाढ़ और भूस्खलन जारी है, जिससे कई स्थानों पर जीवन रेखाएँ प्रभावित हो रही हैं। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे के प्रस्ताव के अनुसार, एआईएफएफ 30 अगस्त, 2024 को केरल के मंजेरी (मलप्पुरम) में अपना पहला लाभ मैच आयोजित करने की दिशा में काम कर रहा है। ऐतिहासिक कोलकाता की टीम मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब ने सुपर लीग केरल इलेवन के खिलाफ मंजेरी में फंड जुटाने के लिए मैच खेलने पर सहमति जताई है। एआईएफएफ ने लखनऊ में दूसरे चैरिटी मैच के लिए 2 सितंबर की तारीख प्रस्तावित की है। एआईएफएफ संभावित क्लबों के साथ आगे की जानकारी तैयार कर रहा है। चौबे ने कहा, "मुझे खुशी है कि भारत के सबसे पुराने क्लबों में से एक मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने मानवता के लिए हमारे प्रस्ताव पर तुरंत सहमति जताई। हम लखनऊ मैच के लिए दो क्लबों के साथ बातचीत कर रहे हैं। खेल ऐसी त्रासदियों के बाद मानवता को सांत्वना देने और उसे ठीक करने का एक शक्तिशाली माध्यम है। हम अक्सर क्लबों द्वारा जीते गए कप का जश्न मनाते हैं; आइए अब एकजुटता का प्याला उठाने के लिए एक साथ आएं।"

हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इंग्लिश समर से बाहर हुए बेन स्टोक्स

लंदन। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को द हंड्रेड के मौजूदा सत्र में खेलते समय हैमस्ट्रिंग की चोट लगने के कारण शेष इंग्लिश समर से बाहर कर दिया गया है। ऑलराउंडर को रविवार को नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के लिए खेलते समय बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में घोषणा की, "मंगलवार को लीड्स में किए गए स्कैन के परिणामस्वरूप, स्टोक्स श्रीलंका के खिलाफ इंग्लैंड की तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से चूक जाएंगे।" स्टोक्स को उम्मीद है कि वे इंग्लैंड के पाकिस्तान दौरे पर वापस लौटेंगे, जो अक्टूबर की शुरुआत में खेला जाएगा। इंग्लैंड का अगला दौरा, श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज, 21 अगस्त को ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होने वाली है। इंग्लैंड ने टीम में स्टोक्स के लिए किसी प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की है, जिसका नेतृत्व अब ओली पोप करेंगे।

हॉकी इंडिया ने सेवानिवृत्त गोलकीपर पीआर श्रीजेश के सम्मान में नंबर 16 जर्सी किया रिटायर

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने बुधवार को घोषणा की कि वह गोलकीपर पीआर श्रीजेश के सम्मान में 16 नंबर की जर्सी को रिटायर कर रहा है, जिन्होंने भारत के पेरिस ओलंपिक अभियान के बाद खेल से संन्यास ले लिया था। हॉकी इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा, "हॉकी इंडिया ने पीआर श्रीजेश की प्रतिष्ठित नंबर 16 जर्सी को रिटायर कर दिया है, जिससे उत्कृष्टता का एक युग समाप्त हो गया है। असंभव बचाव से लेकर पीढ़ियों को प्रेरित करने तक, श्रीजेश की विरासत हमेशा भारतीय हॉकी के इतिहास में अंकित रहेगी।" श्रीजेश ने 14 साल के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत किया और पेरिस ओलंपिक में स्पेन को 2-1 से हराकर भारत के कांस्य पदक जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, केरल के इस गोलकीपर ने चीन में 2022 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक, इंग्लैंड में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक और 2023 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक भी जीता है। उन्होंने 2014 एशियाई खेलों में स्वर्ण और जकार्ता-पालेमबांग में 2018 एशियाड में कांस्य पदक भी जीता। वह 2018 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम और भुवनेश्वर में 2019 एफआईएच पुरुष सीरीज फाइनल चैंपियन टीम का भी हिस्सा थे।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव जारी, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली तेजी

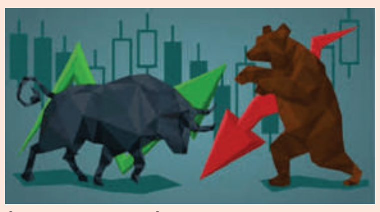

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ है। आज बाजार खुलने के बाद से ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश जारी है, जिसकी वजह से शेयर बाजार कभी लाल निशान में, तो कभी हरे निशान में कारोबार करता नजर आ रहा है। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अपोलो हॉस्पिटल, टीसीएस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजी और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 2.03 प्रतिशत से लेकर 1.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर हीरो मोटोकॉर्प, डिवीज लेबोरेट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, अडाणी पोर्ट्स और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 4.09 प्रतिशत से लेकर 1.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,215 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 776 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1439 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 14 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 24 शेयर हरे निशान में और 26 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 109.19 अंक की मजबूती के साथ 79,065.22 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के तुरंत बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये सूचकांक लुढ़क कर लाल निशान में 78,895.72 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये सूचकांक उछल कर हरे निशान में 79,122.42 अंक तक पहुंचने में भी सफल रहा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 70.09 अंक की बढ़त के साथ 79,026.12 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 45.40 अंक की मजबूती के साथ 24,184.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बढ़ने पर ये सूचकांक लुढ़क कर लाल निशान में 24,099.70 अंक तक पहुंच गया, वहीं खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इसने हरे निशान में 24,196.50 अंक तक की छलांग भी लगाई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 10.95 अंक की मामूली तेजी के साथ 24,149.95 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 692.89 अंक यानी 0.87 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 78,956.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 208 अंक यानी 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,139 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

जुलाई में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री 2.5 फीसदी घटकर 3,41,510 इकाई रही

SIAM
Society of Indian Automobile Manufacturers

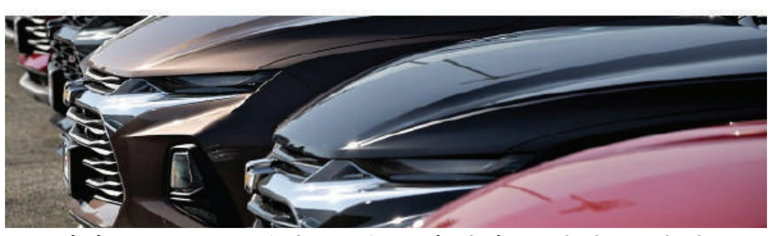

नई दिल्ली। देश में यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री में गिरावट दर्ज हुई है। जुलाई में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 2.5 फीसदी घटकर 3,41,510 इकाई रह गई। पिछले साल जुलाई, 2023 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,50,355 इकाई रही थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि जुलाई में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 2.5 फीसदी घटकर 3,41,510 इकाई रही है। जुलाई, 2023 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,50,355 इकाई रही थी। आंकड़ों के मुताबिक यूटिलिटी वाहनों ने पैसेंजर वाहन की बिक्री को बढ़ावा देना जारी रखा है, जुलाई महीने में इनकी बिक्री 4.1 फीसदी बढ़कर 1,88,217 इकाई रही है, जबकि जुलाई 2023 में यह 1,80,831 इकाई थी। सियाम के मुताकि जुलाई महीने में यात्री कारों की बिक्री 12 फीसदी घटकर 96,652 इकाई रह गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 1,09,859 इकाई रही थी। आंकड़ों के मुताबिक जुलाई में दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 12.5 फीसदी बढ़कर 14,41,694 इकाई हो गई, जबकि जुलाई 2023 में ये 12,82,054 इकाई थी। जुलाई 2024 में मोटरसाइकिल की थोक बिक्री 4.1 फीसदी बढ़कर 8,50,489 इकाई हो गई, जबकि जुलाई 2023 में यह 8,17,206 इकाई रही थी। इसके अलावा जुलाई में स्कूटर की बिक्री 29.2 फीसदी बढ़कर 5,53,642 इकाई रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 4,28,640 इकाई रही थी। आंकड़ों के मुताबिक तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री भी 5.1 फीसदी बढ़कर 59,073 इकाई हो गई, जो जुलाई 2023 में 56,204 इकाई थी। सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने जारी बयान में कहा कि तिपहिया तथा दोपहिया खंड बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन जुलाई 2023 की तुलना में जुलाई 2024 में यात्री वाहनों तथा वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में कुछ गिरावट आई है।

मारुति सुज़ुकी को सीमा शुल्क प्राधिकरण से 3.8 करोड़ रुपये का कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) को कारण बताओ नोटिस मिला है। सीमा शुल्क प्राधिकरण ने मारुति को 3.8 करोड़ रुपये से अधिक के शुल्क में अंतर के भुगतान की मांग करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मारुति सुजुकी ने बुधवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी को मुंबई के सीमा शुल्क (आयात) आयुक्त कार्यालय से कारण बताओ नोटिस मिला है। कंपनी ने कहा कि कारण बताओ नोटिस में प्राधिकरण ने कंपनी से कुछ श्रेणी के सामान के आयात पर सीमा शुल्क छूट का दावा करने का कारण बताने को कहा है। इसके साथ ही लागू ब्याज तथा जुर्माने के साथ 3,81,37,748 रुपये के शुल्क में अंतर का भुगतान करने को कहा है। निजी क्षेत्र की वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने जारी बयान में कहा कि इस नोटिस के कारण उसके वित्तीय, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 81.13 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली। देश में आज पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं हुआ है। लंबे समय कीमत स्थिर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक,दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.44 डॉलर यानी 0.55 फीसदी की उछाल के साथ 81.13 डॉलर प्रति बैरल और वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.50 डॉलर यानी 0.64 फीसदी बढ़कर 78.85 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है।

पीएफआरडीए के अध्यक्ष दीपक मोहंती ने वित्त मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के अध्यक्ष दीपक मोहंती ने बुधवार को यहां मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के अध्यक्ष दीपक मोहंती ने नार्थ ब्लॉक (वित्त मंत्री कार्यालय) में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण से मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात के दौरान हुई बातचीत का ब्यौरा नहीं मिला है। उल्लेखनीय है कि पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण देश में पेंशन के समग्र पर्यवेक्षण और विनियमन के लिए नियामक निकाय है। यह भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र के तहत कार्य करता है।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

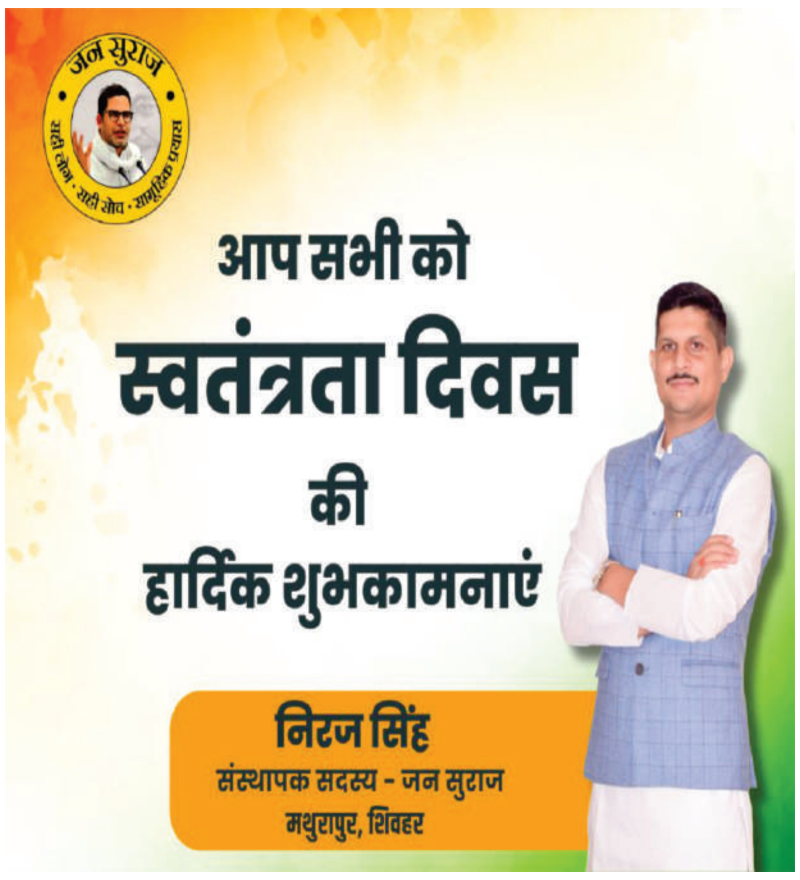

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...

"जो भरा नही है भावों से
बहती जिसमें रसदार नही
हृदय नही वो पत्थर है
जिसमें स्वदेश का प्यार नही"

15 HAPPY Independence DAY

सभी पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं को

स्वतंत्रता दिवस

बॉर्डर न्यूज मिरर

के तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं